RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 राधिका आप्टे ने अंधाधुन...

वर्ष : 27 अंक : 260 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 08 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

भर्ती के नाम पर पहले उत्तर प्रदेश में होती थी लूट : मुख्यमंत्री

1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र किए वितरित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब युवाओं को बिना किसी सिफारिश और बिना किसी लेनदेन के नियुक्ति पत्र मिलता है। उन्हें नौकरी के लिए किसी से सिफारिश नहीं करनी पड़ती है। युवा अपनी योग्यता और दक्षता के आधार पर नौकरी पा रहे हैं। ये सब तब हो पाता है जब एक जिम्मेदार सरकार हो। पहले जाति और धर्म देखकर नौकरियां दी जाती थीं। सिफारिश लगानी पड़ती थी और रिश्वत देनी पड़ती थी पर अब नियुक्ति प्रक्रिया समय से पूरी हो रही है। नौकरियों में पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया नए उत्तर प्रदेश की पहचान है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को लखनऊ के लोकभवन में 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भर्ती पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हो रही है और समय से हो रही है तो मेरी भी आपसे अपेक्षा है। वो ये है कि अपने कार्यस्थल पर किसी के साथ भेदभाव न करें जो कि गरीब, ग्रामीण या जरूरतमंद आता है पूरी प्रतिबद्धता के साथ उसकी समस्या का समाधान करें। योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि पिछले आठ सालों में हमने 2 लाख 19 हज़ार पुलिसकर्मियों की सफलतापूर्वक भर्ती की है, जो उत्तर प्रदेश में सेवा दे रहे हैं। ज़रा सोचिए कि 2 लाख 19 हज़ार पुलिसकर्मियों की भर्ती इन्हीं आठ सालों में पूरी हुई है, जिनमें से हाल ही में 60 हज़ार 200 से ज़्यादा पुलिसकर्मियों की भर्ती भी पूरी हुई। पहले ज़्यादातर भर्ती प्रक्रियाएँ सीबीआई को जाँच के लिए भेज दी जाती थीं। ये वही लोग हैं जो एक ही परिवार के लोगों से पैसे लेकर ज़्यादा लोगों की भर्ती करते थे और इस तरह उत्तर प्रदेश की जनता को लूटते थे, आज जो लूट उस रूप में दिख रही है। वो भर्ती 2016 की है, और हमने उसकी जाँच कराई थी। जाँच चल रही है और अगर समय पर जाँच पूरी हो गई, तो उसमें शामिल ऐसे कई लोग अपनी बाकी जिंदगी जेल में बिताने को मजबूर हो जाएँगे।

केन्द्र से हरी झंडी मिलते ही घोषित होगा प्रदेश अध्यक्ष का नाम : चौ. भूपेन्द्र सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की कभी भी घोषणा हो सकती है। सांगठनिक स्तर पर पार्टी की सभी तैयारी पूरी हैं राष्ट्रीय हाईकमान से हरी झंडी मिलते ही प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी। यह बात कही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौ. भूपेन्द्र चौधरी ने। वे सेक्टर-116 स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

भाजपा के गठबंधन के प्रमुख घटक सुभाषपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा काबीना मंत्री ओम प्रकाश राजभर द्वारा अभाविप को गुंडे व लफंगे कहने तथा निषाद पार्टी के अध्यक्ष व सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद द्वारा गठबंधन से अलग होने की चेतावनी पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनके साथ मुद्दों पर गठबंधन हुआ है। कई बार गठबंधन के घटक गठबंधन धर्म को दरकिनार कर बयानबाजी कर देते हैं, लेकिन भाजपा गठबंधन धर्म को निभाना जानती है। इसलिए कहीं कोई दिक्कत नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष ने वोट चोरी के विपक्षी दलों के आरोप पर कहा कि अपनी करारी हार के बाद कांग्रेस, सपा व अन्य विपक्षी दल जनादेश के एजेंडे का अपमान शुरू कर देते हैं। सरकार व संवैधानिक संस्थानों पर ऊल-जलूल सवाल खड़ा करना शुरू कर देते हैं। यह उनकी हताशा व निराशाभरी बौखलाहट है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक पंकज सिंह, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, विनोद शर्मा आदि मौजूद थे।

एसी में ब्लास्ट, परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत

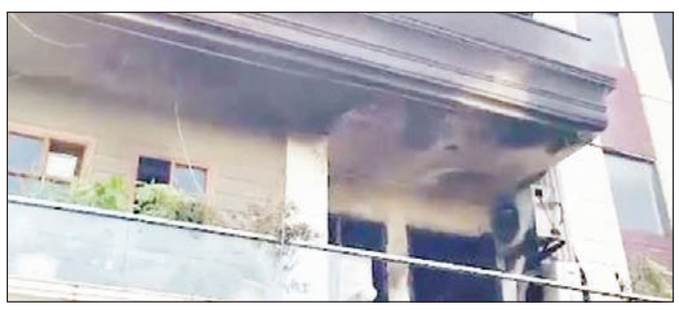

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। फरीदाबाद की ग्रीन फील्ड कॉलोनी स्थित एक मकान के फर्स्ट फ्लोर पर एसी फटने के बाद आग लग गई। इस आगजनी में सेकेंड फ्लोर पर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जबकि परिवार का पालतू कुत्ता भी इस हादसे में झुलसकर मर गया।

मृतकों की पहचान परिवार के मुखिया सचिन कपूर, उनकी पत्नी रिंकू कपूर और बेटी सुजान कपूर के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है और पड़ोसी इस त्रासदी से स्तब्ध हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात को अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद मकान से धुआं और आग निकलने लगी। जब तक स्थानीय लोग और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचते, तब तक पूरा फ्लैट धुएं से भर चुका था। दम घुटने की वजह से तीनों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, परिवार का पालतू कुत्ता भी बच नहीं पाया।

घटना के चश्मदीद एसी में धमाके के बाद जिस फ्लैट में आग लग गई उसकी मालकिन ने बताया, 'मैं अपनी बेटी के साथ रहती हूं। रात के करीब 3 बजकर 10 मिनट पर हमारी स्प्लिट एसी में आग लग गई। मैंने सबको जगाया और भागी, आग बुझाने के चक्कर में मेरे हाथ भी जल गए।

इस हादसे में जिनकी मौत हुई है उनको लेकर महिला ने बताया, 'मेरी उनसे साढ़े तीन बजे रात को बात हुई और उन्होंने कहा कि धुआं बहुत है, हमें कुछ दिखाई नहीं दे रहा है, हम कैसे निकलें। मुझे वही बात बार बार यादी आ रही है।

सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने का कारण एसी का फटना और शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

पड़ोसियों का कहना है कि कपूर परिवार इलाके में काफी मिलनसार और लोकप्रिय था। उनकी अचानक मौत से ग्रीन फील्ड कॉलोनी में शोक की लहर है।

ताजमहल की दीवारों तक पहुंचा यमुना का पानी

आगरा (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में यमुना का जलस्तर कम हो गया है, लेकिन यमुना दिल्ली से 200 किमी दूर आगरा में रौद्र रूप में बह रही है। उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़कर 500.02 फीट पहुंच गया है, जबकि खतरे का निशान मात्र 499 फीट है। इससे नदी के किनारे बसे कई कस्बे, कॉलोनियां और गांव जलमग्न हो गए हैं। जिसमें राजश्री कॉलोनी, अमर विहार और कैलाश मंदिर शामिल है। कहीं-कहीं 3 से 5 फीट तक पानी जमा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रविवार को यमुना का जलस्तर 499.11 फीट था, जो लगातार बढ़कर 500 फीट को पार कर चुका है।

ताज नगरी आगरा में यमुना नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि ताजमहल की दीवारों तक पानी पहुंच गया है। ये पहला मौका है जब 45 साल बाद यमुना ने ताजमहल की दीवारों को छू लिया। हालात ये हैं कि स्मारत के पीछे के बगीचे जलमग्न हो गए हैं। हर तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है।

आगरा में यमुना नदी ने अपने किनारों को तोड़ दिया है। ताजमहल के ठीक बराबर में दशहरा घाट है, जो पूरी तरह डूब गया है। दशहरे घाट पर आने-जाने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। 47 साल बाद आगरा में ये पहली बार है जब यमुना का पानी इतने वेग से बह रहा है। हालात ये है कि कैलाश घाट, पोइया घाट, बलकेश्वर घाट, हाथी घाट, कचहरी घाट और दशहरा घाट ये सभी डूब चुके हैं। श्मशान घाट में भी यमुना का पानी भर गया है। ताजगंज से जो रास्ता श्मशान घाट के लिए जाता है, वहां सड़क पर लगभग कमर तक पानी आ गया है।

दुर्घटना में महिला व पुरूष की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। लापरवाह वाहन चालकों की लापरवाही निर्दोष लोगों पर भारी पड़ रही है। आए दिन लापरवाह वाहन चालकों की वजह से लोग सड़क हादसे का शिकार बन रहे हैं। जनपद में अलग-अलग स्थान पर हुए सड़क हादसों में दो महिलाओं की मौत हो गई। बुलंदशहर निवासी पुष्पेंद्र कुमार अपनी मां कस्तूरी देवी के साथ बाइक से चिपियाना बुजुर्ग आ रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही लाल कुआं जीटी रोड पर स्थित शिव मंदिर के पास पहुंची तो तेज गति में आ रहे ट्रक चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कस्तूरी देवी की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में पुष्पेंद्र कुमार को भी चोटे आई है। पुष्पेंद्र कुमार ने थाना बिसरख में ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कर मृत्यु करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सेक्टर 20 में इंद्रजीत सरकार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे में इंद्रजीत (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिवाली से पहले ग्रेटर नोएडा में पकड़ी अवैध पटाखा फैक्ट्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने बोड़ाकी गांव के एक निर्माणाधीन मकान में अवैध रूप से चल रही पटाखे बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पटाखों में प्रयुक्त होने वाली 1500 किलो सामग्री, भारी मात्रा में निर्मित व अर्ध निर्मित पटाखे बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि बोडाकी गांव के अर्ध निर्मित मकान में अवैध रूप से पटाखे की फैक्ट्री चलाई जा रही है। सूचना के आधार पर

पुलिस टीम ने मकान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान यहां तीन लोग अवैध रूप से पटाखे बनाते हुए मिले। पुलिस ने यहां से राम लखन पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम भनेड़ा जनपद गाजियाबाद, आजाद पुत्र शौकीन निवासी ग्राम (शेष पृष्ठ-4 पर)

20 किलो गांजे के साथ दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना बीटा दो पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 20 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम एटीएस गोल चक्कर के पास गस्त कर रही थी। गस्त के दौरान पुलिस को सेक्टर चाई 4 स्थित पेट्रोल पंप के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े हुए दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। पकड़े गए युवक के थैले की तलाशी लेने पर उसके पास से 20 किलो 500 ग्राम गांजा बराबर हुआ। पूछताछ में पकड़े गए गांजा तस्कर ने अपना नाम (शेष पृष्ठ-4 पर)

एल्विश यादव केस में गवाह को सुरक्षा न देने पर एक्शन

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर ने कोतवाल को किया सस्पेंड

गाजियाबाद (ब्यूरो)। एल्विश यादव केस में गवाहों की सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई। देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा पहले ही गवाहों को सुरक्षा देने के आदेश के बावजूद इसे अनदेखा किया गया। इसके बाद गवाहों ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी, जिसमें गाजियाबाद पुलिस को सोमवार तक जवाब दाखिल करना था।

सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल करने से ठीक पहले, गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर ने रविवार देर रात शहर कोतवाल धर्मपाल (पूर्व नंदग्राम थाना प्रभारी) को सस्पेंड

कर विभागीय जांच शुरू कर दी। जाँच में प्रथम दृष्टिया यह साबित हुआ कि धर्मपाल मुख्य दोषी थे, क्योंकि उन्होंने अदालत के आदेश का पालन नहीं किया। हालांकि, जांच में यह भी सामने आया है कि उनके साथ और भी अधिकारी इस मामले में दोषी हैं। पुलिस कमिश्नर ने इस कार्रवाई में खुद को बचाने की कोशिश भी की।

अहम गवाह गौरव गुप्ता और सौरभ गुप्ता, जो मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल्स के पदाधिकारी हैं, को अब सुरक्षा प्रदान कर दी गई है। उनकी सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए चार पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे तैनात किए गए हैं।

गौरव और सौरभ गुप्ता ने नोएडा स्नेक वेनम केस का खुलासा किया था, जो पूरे देश में एक हाई-प्रोफाइल मामला बन गया और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा में रहा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

धौलाना की पावन भूमि में विलीन हुई शहीदों की रज धूली

पंजाब के हुसैनीवाला स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव की समाधि से जय हो संस्था द्वारा लाई गई थी रज धूली

धौलाना (चेतना मंच)। 'जय हो' सामाजिक संस्था की ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा रविवार शाम को क्रांतिकारियों की पावन भूमि धौलाना पहुंची। प्रेरणा यात्रा के माध्यम से संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हुसैनीवाला पंजाब से शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की समाधी से रज और सतलुज नदी का जल लाया गया था। उसी रज धूली को रविवार शाम क्षेत्र के हजारों लोगों की मौजूदगी में धौलाना के शहीद स्तंभ पर विसर्जित किया गया।

प्रेरणा यात्रा के संयोजक एवं जय हो संस्था के संस्थापक कपिल शर्मा एडवोकेट पवित्र रज से भरे कलश को साथियों के साथ लेकर धौलाना पहुंचे। जहां क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार देवेंद्र शिशोदिया के नेतृत्व में शहीदों की रज का भव्य स्वागत किया गया और रज धूली से

एक दूसरे को तिलक किया गया। इस दौरान हजारों लोगों ने रज कलश को हाथों में लेकर पूरे धौलाना में देशभक्ति संगीतमय पदयात्रा का आयोजन भी किया। जिसमें शहीद मंगल पांडेय और भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की झांकियां भी पद यात्रा में मौजूद रहीं। इस दोरान चारो ओर भारत माता की जय, इंक्लाब जिंदाबाद और जय हो जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे।

जय हो एक सामाजिक संस्था के महासचिव परमानंद कौशिक ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्था के द्वारा हुसैनीवाला पंजाब स्थित पाकिस्तान बार्डर से प्रेरणा यात्रा निकाली गई थी। जिसके तहत संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा जी के नेतृत्व में संयोजक संदीप भाटी, अध्यक्ष दिनेश भाटी, महासचिव परमानंद कौशिक व जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा हुसैनीवाला से शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की समाधि से पवित्र रज और सतलुज नदी का जल लेकर दादरी पहुंचे थे। जहां से संस्था द्वारा 1857 की क्रांति में अहम भूमिका निभाने के लिए एक रज कलश धौलाना की पवित्र भूमि के लिए भेंट किया गया। उसी रज कलश को लेकर संस्था के लोग रविवार शाम को धौलाना पहुंचे। जहां संस्था के संरक्षक सुधीर वत्स मंगल पांडेय और संदीप भाटी भगत सिंह, (शेष पृष्ठ-4 पर)

मणिपुर का संकट

पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज-सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी-जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी-जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए। निस्संदेह, मणिपुरियों ने पहले ही इस राहत के लिये बहुत लंबा इंतजार किया है। यह अच्छी बात है कि कूकी-जो काउंसिल ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का फैसला लिया है। यह राजमार्ग मणिपुर से होकर गुजरता है। निस्संदेह, इस कदम से जहां राज्य में जीवन की जरूरी चीजों की आपूर्ति सरल होगी, वहीं विस्थापित परिवारों और राहत शिविरों में हालात के चलते रह रहे नागरिकों की मुश्किलें कम हो सकेंगी। वहीं पिछले कुछ महीनों से राज्य में जारी शांति की स्थिति को स्थायी बनाने की दिशा में शासन-प्रशासन की ओर से गंभीर प्रयासों की जरूरत है। सुखद यह भी है कि समझौते में कूकी संगठनों ने अपने शिविरों की संख्या कम करने तथा हथियारों को निकटवर्ती बीएसएफ और सीआरपीएफ शिविरों में पहुंचाने पर भी सहमति जतायी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि समझौते के मुद्दों पर सतर्क निगरानी के साथ राज्य में स्थायी शांति का वातावरण बन सकेगा।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सबके घर मंगलमय हैं और उन पर चित्र कढ़े हुए हैं, जिन्हें मानो कामदेव रूपी चित्रकार ने अंकित किया है। नगर के (सभी) स्त्री-पुरुष सुंदर, पवित्र, साधु स्वभाव वाले, धर्मात्मा, ज्ञानी और गुणवान हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अति अनूप जहँ जनक निवासू। बिथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू॥
होत चकित चित कोट बिलोकी। सकल भुवन सोभा जनु रोकी॥

जहाँ जनकजी का अत्यन्त अनुपम (सुंदर) निवास स्थान (महल) है, वहाँ के विलास (ऐश्वर्य) को देखकर देवता भी थकित (स्तम्भित) हो जाते हैं (मनुष्यों की तो बात ही क्या!)। कोट (राजमहल के परकोटे) को देखकर चित्त चकित हो जाता है, (ऐसा मालूम होता है) मानो उसने समस्त लोकों की शोभा को रोक (घेर) रखा है॥

दो0-धवल धाम मनि पुरट पट सुघटित नाना भाँति।
सिय निवास सुंदर सदन सोभा किमि कहि जाति॥

उज्ज्वल महलों में अनेक प्रकार के सुंदर रीति से बने हुए मणि जटित सोने की जरी के परदे लगे हैं। सीताजी के रहने के सुंदर महल की शोभा का वर्णन किया ही कैसे जा सकता है॥

सुभग द्वार सब कुलिस कपाटा। भूप भीर नट मागध भाटा॥
बनी बिसाल बाजि गज साला। हय गय रख संकुल सब काला॥

राजमहल के सब दरवाजे (फाटक) सुंदर हैं, जिनमें वज्र के (मजबूत अथवा हीरों के चमकते हुए) किवाड़ लगे हैं। वहाँ (मातहत) राजाओं, नटों, मागधों और भाटों की भीड़ लगी रहती है। घोड़ों और हाथियों के लिए बहुत बड़ी-बड़ी घुड़सालें और गजशालाएँ (फीलखाने) बनी हुई हैं, जो सब समय घोड़े, हाथी और रथों से भरी रहती हैं॥

(क्रमशः..)

प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान

बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं । यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए।

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं।

वोटर अधिकार यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता और अभद्रता के प्रदर्शन के कारण ही चर्चा में रही। जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है, उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी - तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नही छोड़ा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे, उससे भी आश्चर्यजनक बात यह रही कि राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ता की उस शर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी बल्कि अलग

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा।

अलग तरह से उसका बचाव किया। वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा हो रही है । जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उनके चेहरे पर हवाईयां उड़ती दिख रही हैं।

पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए इसे केवल अपनी मां का नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया। प्रधानमंत्री मोदी का यह भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखां में अश्रु आ गए। बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे लेकर सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया है। राजग गठबंधन की ओर से आयेजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं।

इतिहास साक्षी है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे गए हैं या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हें अपशब्द कहने की होड़ लगी है। आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी, रावण, भस्मासुर और वायरस तक कहा जा चुका है। दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि, यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी बोटी बोटी काटने की बात कही थी। बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी। सोनिया और राहुल सहित कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी अपमानजनक टिप्पणी कांग्रेस को हमेशा नुकसान पहुंचाती है लेकिन यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं।

राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व आक्रोष व्याप्त हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होगा। बिहार की राजनीति में मातृशक्ति निर्णायक मतदाता है और नीतिश कुमार की सरकार में नारी शक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं । उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा।

मां के प्रति अपमानजनक शब्द सुनकर प्रधानमंत्री मोदी का भावुक होना स्वाभाविक है। उनकी मां तीन वर्ष पूर्व नश्वर देह त्याग चुकी हैं, वे कभी राजनीति में भी नहीं रहीं ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार नहीं करेगा। यदि जिस दिन यह दुखद घटना घटी उसी दिन राहुल और तेजस्वी उसकी कड़ी निंदा कर माफ़ी मांग लेते तो बात इतनी आगे नहीं बढ़ती। राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अपने छुटभैये मुस्लिम नेता से प्रधानमंत्री और उनकी माँ को अपमानित कराकर ऐसा सेल्फ गोल किया है जिसकी भरपाई असंभव है।

- मृत्युंजय दीक्षित

आंसुओं का बाजार...

रेहड़ी पर आंसू बिक रहे थे, 'ले लो हेमामालिनी के आंसू। मीना कुमारी के ले लो।' यह आंसुओं का बाजार था, आंसुओं का व्यापार पिछले कुछ सालों में एक स्टार्टअप के जरिए क्या शुरू हुआ, यहां तो सारा मेक इन इंडिया अभियान अब आंसुओं के उत्पादन तक का उद्योग बन गया। अब देश जहां कहीं रोता है, तो एक साथ स्टार्टअप, मेक इन इंडिया और पूरे विश्व में विश्व गुरु की महिमा में हमारे आंसुओं का उत्पादन होने लगता है। सरकार ने स्टार्टअप योजना के तहत बहुत काम किया और अंततः फैसला हुआ कि विश्व में जो भारतीय पहली बार कुछ करेगा, उसे सरकार में भी पद मिलेगा। सरकार में पद पाने की लालसा ने हर भारतीय को उत्पादक बना दिया। तरह-तरह के नारे पैदा होने लगे। विश्व के बेहतरीन नारों में भारत अव्वल हो चुका है। हर दिन कोई न कोई स्टार्टअप एक नया नारा उछाल कर सरकारी पद पर आसीन हो जाता है। अब तो गालियां भी भारत की अमानत में विश्व को थरथरा रही हैं। गाली को चाहे पूरी गली न सुने, लेकिन पाकिस्तान इन्हें सुनकर जरूर कमजोर होता होगा। हमें पूरी आशा है कि एक दिन ऐसी गाली बना देंगे कि सारे आतंकवादी बिलों में घुस जाएंगे। हमारे पास घुस के मारने वाली गालियां हैं जो अमरीका और चीन के पास भी नहीं हैं। गालियों में विश्व के कई देश कमजोर हैं। बहरहाल, गाली के स्टार्टअप ने एक और काम किया। गाली से आगे निकल कर अब आंसू के स्टार्टअप खुद ब खुद चलने लगे हैं। विश्व का पहला आंसू बाजार बिहार में खोला जा चुका है। हालांकि वहां विरोध हुआ। तर्क यह था कि आंसू तो बाढ़, महंगाई, गरीबी, लाचारी, मजबूरी, औरत की स्थिति और प्रदेश छोडकर देश भर में पलायन कर रहे बिहारी भी तो पैदा कर रहे हैं, फिर आंसुओं का बाजार सिर्फ बिहार में ही क्यों। बिहार को केंद्र ने समझाया, 'देखो! आंसुओं में ही देश आत्मनिर्भर होगा। यहां तेरे मेरे नहीं हम पूरे भारत के आंसू बिहार भेजेंगे।

हर प्रदेश से लौटते बिहारी अपने साथ मुफ्त के आंसू ले आएंगे और इस तरह बिहार के पास इन्हें निर्यात करने का स्टॉक होगा। कल सारे विश्व के समझौते इन्हीं आंसुओं के दम पर होंगे।' पूरा बिहार सुन रहा था और मन ही मन अपने भीतर की संभावनाएं टटोल रहा था, 'कल अगर रूस-यूक्रेन युद्ध में आंसुओं की जरूरत पड़ी तो 'मेक इन इंडिया' का यह एक्सपोर्ट बिहार से ही होगा। अमरीका में रह रहे अप्रवासी भारतीय भी चाहेंगे कि वे अपने मूल देश के स्वदेशी आंसुओं को आयात करके अपनी मातृभूमि की शान बढ़ा दें। कल आंसुओं की वजह से हम भारत का डंका ही नहीं, बल्कि इनके भारतीय पेटेंट

से नाम कमाएंगे।' तभी बताया गया कि भारतीय आंसुओं का पेटेंट तो कब का हो चुका है। अब यह देश के नियंत्रण में है कि कब, कहां और किसलिए आंसू पैदा किए जाएं। हम भारतीयों के अलावा विश्व में किसी भी देश की प्रजा या राजा को आंसू बहाने की अनुमति नहीं है। अगर किसी ने बहाए तो उस देश को भारत दंड देगा। जिस दिन ट्रंप ने आंसू बहाए, निश्चित रूप से भारत जवाबी कार्रवाई करता हुआ मनमाफिक टैरिफ और दंड लगाएगा। बिहार की जनता को अब अपने आंसुओं पर गर्व होने लगा। उन्हें चाहे मतदाता सूची में अपना नाम न मिले, अस्पताल में डाक्टर-स्कूल में शिक्षक न मिले, चलते हुए सडक़-प्यास में होते हुए पानी न मिले। न मिले बिजली और न मिले रोजगार, लेकिन हर बार मिले आंसुओं पर गर्व है। सामने आंसुओं के बाजार से आवाजें आ रही थीं। मैं अपनी सरकारों से प्रेरित और विशुद्ध भारतीय-राष्ट्रीय चरित्र में वहां पहुंच गया। रेहडियां लबालब थीं। हर तरह के आंसू बिक रहे थे। पहली बार देखकर हैरान हुआ। वहां न हेमामालिनी के और न ही मणिपुरी आंसू बिक रहे थे, लेकिन एक टूटी-फूटी रेहड़ी पर नेता के आंसुओं के खरीददार बढ़ रहे थे। नेता आंसू बेचते हुए भी रो रहा था, 'मेरे आंसू प्रमाणित हैं। यही राष्ट्रीय, यही वैचारिक और यही सम्मानित हैं।' मेरी आंखें चमक उठीं। मैंने मनरेगा की दिहाड़ी से कमाए सारे पैसे उस रेहड़ी वाले नेता को दे दिए। बदले में उसने अपनी आंखों से स्वदेशी आंसू निकाल कर मेरी आंखों में डाल दिए।

-निर्मल असो
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापारिक उतार-चढ़ाव हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में हार हो सकती है। स्वयं के स्वास्थ्य और पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। इसलिए मान-सम्मान में ठेस न आए इस बात का ध्यान रखें। स्वास्थ्य अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा, लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। मानसिक परेशानी रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
गृह कलह के बड़े संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। व्यवसाय में नकारात्मक ऊर्जा का संचार दिख रहा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। कहीं भी निवेश मत करिए और जुबान से गंदी भाषा का प्रयोग न करें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मानसिक व शारीरिक तौर पर नकारात्मकता बनी रहेगी। लेकिन घबराहट, बेचैनी व मानसिक परेशानी बनी रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन परेशान रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

विधायक ने किया विकास कार्यों का लोकापर्ण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी विधायक तेजपाल नागर के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री अल्पविकसित/मलिन बस्ती योजना अंतर्गत दादरी नगर में बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का शुभारंभ हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में तथा दादरी विधानसभा के विधायक तेजपाल नागर के अथक प्रयासों और प्रस्ताव पर नगर पालिका परिषद दादरी के विभिन्न वार्डों में वर्षों से प्रतीक्षित बुनियादी विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया गया।

विकास कार्यों का मूल उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक एवं सुदृढ़ बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करना है। मुख्यमंत्री अल्पविकसित/मलिन बस्ती योजना के अंतर्गत इस प्रकार की पहल दादरी नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगी।

इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि दादरी विधानसभा के प्रत्येक नागरिक को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना मेरा संकल्प है। मुख्यमंत्री अल्पविकसित/मलिन बस्ती योजना के माध्यम से गली-नाली एवं सड़क निर्माण कार्य तेजी से करवाए जा रहे हैं। यह कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जनता को दी जा रही सुविधाओं और विकास की गारंटी है। आने वाले समय में दादरी को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाएगा।

इस अवसर पर दादरी नगर पालिका परिषद की चेयरमैन गीता पंडित जी सहित क्षेत्र के प्रतिष्ठित सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 से : प्रणीत भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक पूरे जिले में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रथम जिला अध्यक्ष रहे प्रणीत भाटी ने एक बातचीत के दौरान कही है।

उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और इसी दिन से पार्टी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन करेंगे जो पूरे जिले के सभी गांव सेक्टरों एवं ब्लॉकों में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन होगा। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी एवं फ्रंटल एवं मोर्चा के पदाधिकारी से अपील करते हुए कहा है कि सभी लोग सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें और कार्यक्रम को भव्य बनाने के अभियान में जुटें।

बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद हो : सुंदर भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय सचिव सुंदर भाटी साकीपुर ने जिला प्रशासन एवं अफसरों से मांग की है की बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद की जाए जिससे उन्हें कोई समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सभी लोगों तक जिला प्रशासन की ओर से सुविधा पहुंचे ऐसा अधिकारियों को सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनियन के लोग भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ायें और हर संभव मदद करने का प्रयास करें।

एमएलसी विधायक से मिला शिक्षामित्र संघ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शिक्षामित्र संघ का प्रतिनिधि मंडल एमएलसी श्रीचंद शर्मा शिक्षक प्रकोष्ठ, से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षक दिवस पर मानदेय वृद्धि, मेडिकल सुविधा देने वाली घोषणा के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। विधायक शिक्षा मित्रों की समस्याओं को लेकर काफ़ी दिनों से पैरवी कर रहे है। प्रदेश कार्यकारिणी व विधायक श्रीचंद शर्मा की अहम् भूमिका रही है। जिसको लेकर शिक्षामित्र संगठन के कार्यकारिणी के लोगों ने विधान परिषद सदस्य श्री चंद शर्मा को बुके और मिठाई खिलाकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिनिधि मंडल में संघ के जिला अध्यक्ष जगबीर भाटी, ब्लॉक अध्यक्ष दादरी नरेश खारी ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख सनोज कुमार, ब्लॉक महामंत्री दादरी विनोद कुमार, कुलदीप ,डालचंद कमलेश यादव ,अन्य पदाधिकारी मौजूद रह।

सादुल्लापुर गाँव का नाम बदलने के विरोध में हुई महापंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुछ दिन पूर्व सादुल्लापुर के कुछ लोग विधायक तेजपाल नागर से मिलकर एक पत्र सौंपते हुए गांव का नाम सादुल्लापुर के स्थान पर भरतपुर रखने की माँग की। जिसको लेकर सादुल्लापुर के गांव के लोगों ने विरोध जताते हुए पंचायत की गाँव के निवासी दीपक नागर ने कहा नाम बदलने से गाँव की तक़दीर नहीं बदल सकती।

जर्जर सड़क रेलवे ओवर ब्रिज गाँव आए दिन जाम की समस्या बनी हुई हैं गाँव की आबादी को देखते हुए गाँव में हॉस्पिटल स्टेडियम स्कूल जैसी योजना देनी चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग खुश रहे। जगदीश नागर ने कहा है कि अगर नाम चेंज कर दिया तो बड़ा आंदोलन होगा और डीएम साहब को ज्ञापन दिया जाएगा। जल्द ही पंचायत के अध्यक्ष बाबा परमाल ने कहा कि हम विरोध करते हैं गाँव के किसी व्यक्ति से कोई बात नहीं हुई।

गाँव के नाम को चेंज करने के लिये गाँव के प्रधान रणसिंह ने कहा समस ग्रामवासी इसका विरोध करते हैं गाँव के नाम चेंज करने से गाँव का भला नहीं होगा, गाँव को काफ़ी किल्लत उठानी पड़ेगी।

इस मौके पर महि प्रधान भिकारी नागर बिजदेर बीडीसी मास्टर सरजीत नागर, योगेश नागर, प्रोफेसर अजीत नागर, निरंजन नागर (डीपी) विजेंद्र नागर (डीपी), अमरजीत नागर (डीपी) पवन पहलवान, जितेन्द्र पहलवान, संजू पहलवान ,सचिन नागर, प्रभांशु नागर, गांव के युवा वे ग्रामवासी भारी संख्या में मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा की बैठक

भदोही। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यक्रम जनपद में पार्टी ने निर्धारित किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने किया।

दीपक मिश्रा ने बताया 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम जनपद में किया जाएगा उसी के उपलक्ष में आज इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिर्जापुर के पूर्व जिला अध्यक्ष गंगापार प्रयागराज के जिला प्रभारी उत्तम मौर्य उपस्थित रहे साथ में जिले के प्रभारी नगेन्द्र रघुवंशी ने प्रमुखता से विषय को रखा संचालक रमेश पांडेय ने किया कार्यक्रम के दौरान मुख्यत अतिथि उत्तम मौर्य ने कहा आप सभी को अवगत कराना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा प्राप्त निर्देशन के अनूरूप प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के निर्देशन में प्रत्येक वर्ष की भांति विभिन्न प्रकार के सेवा सामाजिक कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन तक कार्यक्रम किए जाएंगे 17 सितंबर से प्रधानमंत्री के जन्मदिन से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

मंच संचालन रमेश पांडेय तथा वरिष्ठ भाजपा नेता कार्यक्रम के संयोजक नागेंद्र सिंह पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष अनुरुद्ध त्रिपाठी पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष पांडेय कन्हैयालाल मिश्र विनय श्रीवास्तव ओमप्रकाश तिवारी टंकी गुरु ब्लॉक प्रमुख विकास मिश्रा गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी बिंद रेनू पांडेय तथा उपस्थित सम्मानित सभी मंडल अध्यक्ष जिला पदाधिकारी सभी मोर्चे के जिला अध्यक्ष मौजूद रहे ।

रोटरी क्लब के सदस्यों ने बाढ़ पीड़ितों की मदद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के सदस्य मुकुल गोयल, कपिल गर्ग ने बाढ़ से पीड़ित परिवारों को प्रशासन द्वारा बनाये गए सेक्टर 135 में बनाये गए शिविर में जाकर आज जूस, खाद्य सामग्री, व महिलाओं को सैनेट्री पैड वितरित किए।

गौतमबुद्धनगर के हजारों लोग भी इस समय अपने घर से बेघर हो गए हैं जिनको प्रशासन द्वारा ज़्यादा से ज़्यादा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है । वितरण कार्यक्रम में क्लब से मुकुल गोयल, कपिल गर्ग का सहयोग रहा। प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी मेधा रूपम, एडीएम अतुल कुमार, एसडीएम आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार प्रतीक सिंह चौहान, मनोज बाबू, जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

संबंध-विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुन्नी देवी पत्नी श्री सतीश कुमार, निवासी- ग्राम-प्रीत विहार कॉलोनी, दादरी, तहसील-दादरी, जिला-गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र सागर शर्मा जो आवारा किस्म का व्यक्ति है, आए दिन लोगों के साथ फ्रॉड, मारपीट लड़ाई झगड़ा, व इनलिगल कामों में लिप्त रहता है। जिससे मेरा परिवार बहुत परेशान है। मैं अपने पुत्र के इन कृत्यों से काफी परेशान हो चुकी हूं । उसके द्वारा किए गए अपराधों की सजा मेरे अन्य बच्चों को मिल रही है । इसलिए मैं अपने पुत्र सागर शर्मा का पूर्ण बहिष्कार कर रही हूं । अपने पुत्र को उसके सभी अधिकारों से बेदखल करती हूं । आज के बाद सागर शर्मा किसी से लेन-देन या कोई फ्रॉड , मारपीट अन्य कोई भी अपराध करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए मैं और मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

शिक्षक संघ की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद्र के नेतृत्व में शिक्षक भवन लखनऊ में प्रदेश कार्यसमिति एवं जिला अध्यक्ष/मंत्री की आपात बैठक बुलाई गयी। बैठक में चर्चा उपरांत कई निर्णय लिए गए।

प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट संदेश दिया कि स्थिति करो या मरो की है। पूर्ण दस्तावेज एकत्र कर विधिवत तरीके से मजबूती के साथ उचित प्लेटफार्म पर संघर्ष किया जाएगा। एक जुटता के साथ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की सुदृढ़ रणनीति के साथ रहे।

बैठक में मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी, ज़िलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी एवं अध्यक्ष जेवर हेमराज शर्मा उपस्थित रहे।

कवि अमित शर्मा ने कतर में भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी

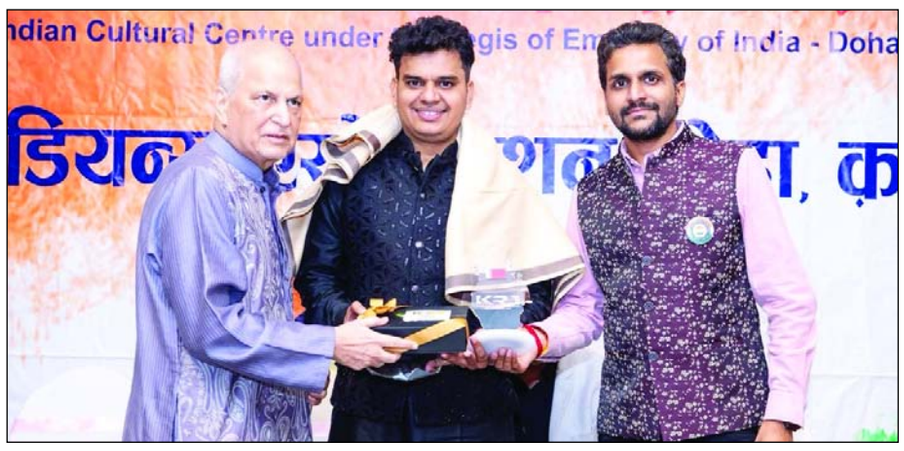

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय साहित्य के गौरवशाली प्रतिनिधि कवि अमित शर्मा की हाल ही में सम्पन्न हुई क़तर काव्य यात्रा ऐतिहासिक रूप से सफल रही। इस अवसर पर प्रवासी भारतीयों सहित स्थानीय साहित्य-प्रेमियों ने बड़े उत्साह और आत्मीयता के साथ भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अमित शर्मा ने अपनी प्रभावशाली कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उनकी काव्य-धारा में जहाँ राष्ट्रप्रेम की ऊष्मा थी, वहीं मानवीय संवेदनाओं का कोमल स्पर्श भी मौजूद रहा। क़तर की धरती पर गूँजे उनके शब्दों ने न केवल भारतीय संस्कृति की महक पहुँचाई, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारतीय कविता की गरिमा को और ऊँचा उठाया। कवि अमित शर्मा ग्रेटर नोएडा स्थित सैनी गाँव के निवासी हैं ।

नार्थ इंडियंस एसोसिएशन के तत्वावधान में पूरे आयोजन के दौरान सभागार बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँजता रहा। श्रोताओं ने कवि की रचनाओं को 'आत्मा से जुड़ा अनुभव' बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा। इस कार्यक्रम में सेलेब्री कवि के रूप में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के विनर सुरेश अलबेला भी उपस्थित रहे और प्रवासी भारतीयों को खूब देर तक हँसाया। राजस्थान की कवयित्री आयुषी राखेचा ने अपने गीतों के माध्यम से एक अमिट छाप छोड़ी।

कवि अमित शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है। क़तर की पावन भूमि पर अपनी मातृभूमि भारत की कविताओं का स्वर पहुँचाना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस यात्रा की सफलता मेरे लिए व्यक्तिगत गर्व ही नहीं, बल्कि पूरे भारतीय साहित्य जगत का सम्मान है। यह काव्य यात्रा भारत और क़तर के बीच सांस्कृतिक रिश्तों को मज़बूती प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल साबित हुई।

नार्थ इंडियंस एसोसिएशन क़तर के अध्यक्ष ललित पाण्डेय ने बताया कि हिन्दी कवि सम्मेलन यहाँ बहुत लम्बे समय बाद हुआ है। किसी को इतनी उम्मीद नहीं थी कि अश्लीलता के इस दौर में इतना स्वस्थ मनोरंजन भी हो सकता है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

श्री रामलीला मंचन के लिये हुआ भूमि पूजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित होने वाले विजय महोत्सव 2025 कार्यक्रम के लिये साइट 4 स्थित रामलीला मैदान में भूमि पूजन संपन्न हुआ।

महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि इस वर्ष 23 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक विजय महोत्सव 2025 कार्यक्रम साइट 4 स्थित सेंट्रल पार्क में धूमधाम से मनाया जायेगा।

अध्यक्ष स0 मंजीत सिंह ने बताया कि वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन करने के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ठा0 धीरेन्द्र सिंह ज़िलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा कर कमलों द्वारा नारियल फोड़कर भूमि पूजन सम्पंन हुआ ने भगवान श्रीराम की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की इसके उपरांत बिजेंद्र भाटी, अजीत दौला, राजकुमार भाटी, योगेन्द्र भाटी डेवटा,राजीव मलिक, सत्येन्द्र नागर, अर्पित तिवारी रामशरण नागर, विरेंद्र ढाडा , डाश शीतला प्रसाद ,सुरेश पचौरी सादना सिनहा , संगीता शर्मा ,राकेश बेसोया, बिरजेस भाटी,ने सफल आयोजन के लिये शुभकामनाएँ प्रेषित की।

कार्यक्रम में मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, धर्मपाल भाटी, कमल सिंह आर्य, हरेन्द्र भाटी, कुलदीप शर्मा, के के शर्मा, मुकुल गोयल, मुकेश शर्मा, श्यामवीर भाटी, अमित गोयल, विकास प्रधान, अनिल कसाना, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता, रवि शर्मा,अनुज उपाध्याय,अजय रामपुर, विपिन भाटी,मनोज चौधरी, ओमप्रकाश अग्रवाल, विजेंद्र भाटी, सुरेन्द्र तायल राहुल नम्बरदार, दीपक भाटी,आलोक नागर व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में परमाणु स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकों पर कार्यशाला का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्थित केंद्रीय उपकरण सुविधा ने परमाणु स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकों पर दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।जिसमें शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनुसंधान दक्षताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में गलगोटिया विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय, ड्डष्टक्र-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (करनाल) और शारदा विश्वविद्यालय सहित प्रमुख संस्थानों के स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट विद्वानों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया गया।प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया, जिसमें खाद्य सुरक्षा, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स और रासायनिक विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में परमाणु स्पेक्ट्रोस्कोपी के वास्तविक अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया गया।

विश्वविद्यालय के डीन रिसर्च डॉ भुवनेश कुमार ने विश्लेषणात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एनईपी के लक्ष्यों के अनुरूप, हाइफ़नेटेड तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर संबोधन के साथ कार्यशाला का उद्घाटन किया।

शारदा विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने सभी योग्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और वैज्ञानिक प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। डॉ. अतुल कुमार गुप्ता ने तकनीकी प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया और उपकरणीकरण एवं विश्लेषण पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला में उद्घाटन समारोह के दौरान जीवन विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार मिश्रा और रसायन विज्ञान एवं जैव रसायन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुपम अग्रवाल भी उपस्थित रहे । यह पहल सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अंत:विषय वैज्ञानिक प्रशिक्षण और नवाचार के केंद्र के रूप में शारदा विश्वविद्यालय की भूमिका को सुदृढ़ करती है।

भारत विकास परिषद की मासिक बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। क्लब- 27 में भारत विकास परिषद महानगर नोएडा की प्रथम बैठक संपन्न हुई इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत से प्रांतीय अध्यक्ष कविता बंसल ,महासचिव मुक्ता अग्रवाल, प्रांतीय वित सचिव प्रवेश गुप्ता के द्वारा अपना मार्गदर्शन देने के लिए मौजूद रहे। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय गतिविधि सदस्य 'सम्पर्क' एवं महानगर नोएडा शाखा के संरक्षक के रूप में राजीव अजमानी, अध्यक्ष महेंद्र शर्मा सचिव उमेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता की तत्वाधान में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी सदस्यों को एक हाइड्रोपोनिक्स पौधा भेंट किया गया और नए सदस्यों का विशेष स्वागत हुआ और वर्ष भर की योजनाओं को किस तरह से कार्यान्वित करना है क्या-क्या योजनाएं लेनी है इस बारे में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव उमेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कार्यकारिणी से राजेश अग्रवाल, अंकित रस्तोगी , संजय अग्रवाल, मोहित गोयल, अंशुल जैन, हर्षित अग्रवाल, रेनू गर्ग, प्रतिभा गुप्ता, निधि सिंघल, संतोष मिश्रा और परिषद के नए सदस्य उपस्थित रहे।

सपा की मासिक बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर रविवार को पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष फकीर चंद नागर एवं संचालन जिला महासचिव सुधीर तोमर ने किया।

इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष फकीर चंद नागर ने कहा कि भाजपा के शासन काल में जनता के हितों कि अनदेखी कि जा रही है। आज गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी सभी परेशान है, लेकिन ये तानाशाह सरकार किसी की नहीं सुन रही है। भाजपा का जनता की समस्याओं से कोई लेना- देना नहीं है। वह तो केवल अपने राजनैतिक हित के लिए जनता को गुमराह करने का काम करती है। भाजपा सरकार द्वारा पिछड़े और दलितों के हक छीनने का काम किया जा रहा है। सरकार आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष महासचिव सुधीर तोमर ने कहा कि समाजवादी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली और विकास करने वाली पार्टी है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों एवं शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद कर रहे हैं।

बैठक में मुख्य रूप से कृष्णा चौहान, देवेन्द्र अवाना, देवेन्द्र टाइगर, मेहंदी हसन, नवीन भाटी, रोहित मत्ते गुर्जर, राजेश रोही, विनोद लोहिया, यूनुस प्रधान, हुकुम सिंह भारती, विजेन्द्र चौहान, शशि यादव, सुनीता यादव, विक्रम टाइगर, अजय चौधरी, मांगेलाल गौतम, विनोद लोहिया, गजेन्द्र यादव, सुभाष भाटी, लोकेश जनमेदा, शौकत अली चेची, हरवीर प्रधान, विपिन सेन, सुदेश भाटी, कपिल ननका, राहुल आर्यन, विनय शर्मा, सतप्रकाश नागर, पवन जोगी, यशपाल भाटी, राहुल चौधरी, लखन जाटव, जाकिर मुनिरी, महेश जाटव, असगर सैफी, जयप्रकाश पारचा, सलीम मेंबर, संदीप सेन, जय सिंह चंदेल, राहुल यादव, राजेश गौंड, संजीव कुमार, ललित कुमार आदि मौजूद रहे।

सुमन दीक्षित को मिला बेस्ट टीचर का सम्मान

गाजियाबाद (चेतना मंच)। वार्ड नम्बर-96 के पार्षद अजीत निगम, आरडब्लूए के चेयरमैन रूपेन्द्र पाल सिंह जुनेजा और समस्त पदाधिकारियों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर श्रीमती सुमन दीक्षित को बेस्ट टीचर के अवार्ड से सम्मानित किया।

जैन समाज के धार्मिक आयोजन से कलश चुराने वाला हापुड़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लाल किला परिसर में स्थित में स्थित जैन धार्मिक आयोजन के दौरान एक करोड़ के कलश चोरी करने वाले शातिर को हापुड़ जिले से पकड़ लिया गया है। वह कलश ले जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसकी मदद से पुलिस ने उसे दबोच लिया।

हापुड़ पुलिस के अनुसार दो स्वर्ण कलश चोरी होने के मामले में दिल्ली व थाना देहात पुलिस ने रविवार देर रात गांव असौड़ा से शातिर चोर को गिरफ्तार किया। चोर से एक कलश बरामद हुआ है। दिल्ली पुलिस चोर को लेकर रवाना हो गई है।

आरोपी की पहचान थाना देहात क्षेत्र के गांव असौड़ा के भूषण वर्मा के रूप में हुई। पहले वह कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर में रहता था। मोबाइल की लोकेशन मिलने पर दिल्ली पुलिस रविवार रात हापुड़ पहुंचे।

इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हापुड़ की थाना देहात पुलिस से संपर्क किया। फिर दोनों राज्यों की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। बताया गया कि आरोपी कार चलाता था।

आरोपी भूषण वर्मा के गांव पहुंची तो पता चला कि वह 60 गज के मकान में रहता है। उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटी और एक बेटा है। वह घर में पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहता है।

वहीं, एक पड़ोसी से बात करने पर चला चला कि वह किसी से बात नहीं करता था। वह अपने घर के अंदर ही रहता है और उसके बच्चे भी घर पर ही रहते थे।

पृष्ठ एक के शेष....

दिवाली से पहले ग्रेटर नोएडा ...

फरुखनगर जनपद गाजियाबाद व राजेंद्र पुत्र देहुगा निवासी बहराइच को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह दीपावली पर बिक्री करने के लिए पटाखे बना रहे थे। पटाखे के निर्माण व बिक्री पर एनसीआर में रोक लगे होने के कारण वह चोरी छुपे इस फैक्ट्री को चला रहे थे।

थाना प्रभारी ने बताया कि इनके पास से 1004 किलोग्राम बने हुए अनार, सौ बोरी नलकी पटाखा, 54 किलोग्राम मैग्नीशियम पाउडर, 75 किलोग्राम स्नैक लेस पाउडर, 68 किलोग्राम कटन पाउडर, 38 किलो टीआई पाउडर, 29 किलो गोंद,पीओपी पाउडर, फेविकोल, 6 दाब मशीन, स्प्रे मशीन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, टेप, कटर, हथौड़ी, डेटोनेटर, पांच बोरी गत्ता पैकिंग, दो कार्टून लेबल, ड्रम व अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से बरामद सामान की कीमत करीब 10 लाख रुपए है। आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

20 किलो गांजे के ...

शिवचरण मंडल पुत्र जीतन मंडल निवासी पश्चिम बंगाल बताया।पूछताछ में शिवचरण मंडल ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल से सस्ते दामों में गांजा खरीद कर लाता है और उसे नोएडा व एनसीआर क्षेत्र में बेचता है। बरामद गांजे को वह चुहरपुर अंडरपास पर एक व्यक्ति को देने आया था। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

दुर्घटना में महिला...

सरकार ने बताया कि उसकी मौसी देवी हलदार निठारी गांव में किराए पर रहती थी। एक सितंबर की शाम को उसकी मौसी देवी हलदार सेक्टर 27 से काम कर वापस घर लौट रही थी। वह जैसे ही सेक्टर 26 के पिंक टॉयलेट के पास पहुंची तो पीछे से तेज गति में आए अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौसी गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों ने उन्हें घायल अवस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें आरएमएल अस्पताल दिल्ली के लिए रेफर कर दिया। उपचार के दौरान दो सितंबर को देवी हलदार की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी वाहन चालकों की तलाश की जा रही है।

धौलाना की पावन भूमि...

तरुण खारी राजगुरू व हंस भाटी सुखदेव जी की भूमिका में रहे। जिनकी झांकियां देख कस्बे के लोग पुष्प वर्षा करने से खुद को रोक नहीं सके। इस दौरान यात्रा देशभक्ति गीतों के साथ पद यात्रा के रूप में लोग भारत माता की जय, इंक्लाब जिंदाबाद और जय हो जिंदाबाद के नारे लगाते हुए रज कलश को लेकर मुख्य बाजार होते हुए धौलाना के पुराने शहीद स्थल पर पहुंचे। जहां नमन करने के बाद यात्रा नए शहीद स्तंभ की और बढ़ी।

इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने शहीदों की रज से तिलक किया। जिसके बाद शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की समाधी से लाई गई पवित्र रज को क्षेत्र के गणमान्य लोगों व धौलाना थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह विष्ट के साथ मिलकर शहीद स्तंभ की भूमि पर विसर्जित किया गया।

इस अवसर पर नानक चंद शर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुरेश तोमर, के के शर्मा, सुरेंद्र पाल सिंह मुन्ना, ललित राणा, जसवंत राणा, संजीव भारद्वाज, प्रमोद शर्मा एडवोकेट , सुशील शर्मा, गुड्डू पंडित, दीपक आत्रेय, चिन्मय भारद्वाज, सरीन शर्मा, बिजेंद्र कश्यप, दुर्गम यादव, अभिषेक तोमर , मोहित कौशिक, जुगल किशोर्त, शैलेंद्र राणावत, दुष्यंत शर्मा, भगत सिंह, विजय शर्मा, संदीप राणा, चेतन राणा, युद्धि राणा, दीपक शर्मा, अजय भाटी, सुरजीत विकल, सुनील कश्यप, पुष्प शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

गाजियाबाद पुलिस...

देश की सर्वोच्च अदालत के आदेशों को भी उत्तर प्रदेश पुलिस हवा में उड़ा रही है और उनका पालन नहीं कर रही। गवाहों को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ा और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की गई। यूपी पुलिस की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि संवेदनशील मामलों में भी गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा रही।

धरमपाल पर कार्रवाई की खबर से पूरी गाजियाबाद पुलिस में हड़कंप मच गया है। यह मामला केवल पूरे जिले में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस कमिश्नर द्वारा यह कार्रवाई खुद को बचाने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट संदेश देती है कि संवेदनशील मामलों में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धरमपाल को मुख्य दोषी मानते हुए कार्रवाई की गई है, लेकिन जांच में यह सामने आया है कि उनके साथ कई और वरिष्ठ अधिकारी भी इस मामले में दोषी हैं। जिला अदालत और सर्वोच्च अदालत दोनों के आदेशों की अनदेखी इस मामले में गाजियाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

अहम गवाहों से सुरक्षा हटाना, अदालतों के आदेशों की अवहेलना करना और सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका में जवाब दाखिल करने से ठीक पहले हड़बड़ी में कार्रवाई करना — यह सब गाजियाबाद पुलिस की बड़ी लापरवाही को उजागर करता है। पुलिस कमिश्नर ने इस पूरे प्रकरण में खुद को बचाने के लिए धर्मपाल पर कार्रवाई की, जबकि विभागीय जांच अब बाकी दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करेगी

हिंदू युवा वाहिनी में महिलाओं का सशक्तिकरण

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष की घोषणा एवं सम्मान समारोह

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में हाल ही में आयोजित हिंदू युवा वाहिनी का भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन प्रेरणादायक रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 अनंत श्री विभूषित अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज, जिन्हें 'एनवायरमेंट बाबा' के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू युवा वाहिनी के संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

इस सम्मेलन में महिलाओं के सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई। महामंडलेश्वर अरुण गिरी जी महाराज ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हुए संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां जिसमें सुमन दहिया (अधिवक्ता) राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, हिंदू युवा वाहिनी, अंजना भागी उपाध्यक्ष, नोएडा महानगर, अनुभूति टंडन उपाध्यक्ष, नोएडा महानगर, सीमा शर्मा महासचिव, नोएडा महानगर बनाया गया।

इन नियुक्तियों का उद्देश्य समाज में महिलाओं को सशक्त बनाना और संगठन के निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करना है। इससे न केवल संगठन की कार्यशैली में विविधता और समृद्धि आएगी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौड़, महासचिव दिनेश भाटी, नोएडा महानगर अध्यक्ष टी.सी. गौड़, महासचिव राजीव अग्रवाल, महामंत्री भूषण शर्मा, एन.के. सोलंकी, धर्मेंद्र शर्मा, प्रदीप मिश्रा, सुशील शर्मा, आमोद जी, कुणाल राजवंश, राहिल शर्मा सह सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महामंडलेश्वर बाबा अरुण गिरी जी महाराज द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण की विविध पहलें समाज को जागरूक करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

कार का शीशा तोडकर सामान चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस 3 क्षेत्र के गढ़ी गोल चक्कर की सर्विस रोड पर खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप, पर्स व अन्य सामान चोरी कर लिया। वाहन स्वामी अपनी कार को सर्विस रोड पर खड़ी कर खरीदारी करने चला गया था। ग्रेटर नोएडा निवासी प्रीतेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि तीन सितंबर की रात्रि को उसने अपनी कार गढ़ी गोल चक्कर की सर्विस रोड पर खड़ी की थी। कार खड़ी करने के बाद वह सब्जी लेने चला गया। कुछ देर बाद जब वह सब्जी लेकर आया तो उसकी कार का शीशा टूटा हुआ था। चोर उसकी कार से लैपटॉप, पर्स, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, हाथ घड़ी, इयरफोन, आधार कार्ड व अन्य सामान को चोरी कर ले गए। उसने आसपास लोगों से पूछताछ की लेकिन चोरों के बारे में कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पार्क के पास से बदमाश पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे एक बदमाश को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गस्त पर थी।इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सेक्टर 27 के तिकोनिया पार्क के पास एक बदमाश कहीं जाने की फिराक में खड़ा हुआ है और उसके पास अवैध असलाह है। वह किसी वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाश को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम राशिद पुत्र इरशाद अल्वी निवासी ओल्ड सीमापुरी शाहदरा दिल्ली बताया।

गश्ती तलाश गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 14/01/2025 को वादी श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामकेश निवासी ए-107, सैक्टर-10 के पास जे0जे0 कालोनी सैक्टर -09 थाना फेज-1 नोएडा जनपद गौतमबुद्ध नगर मो0नं0 7503289857 ने थाना हाजा आकर लिखित सूचना दी कि दिनांक 11/01/2025 की दोपहर से उसकी पुत्री प्रियंका बेनवसी उम्र 14 वर्ष घर से गायब है जिसको सचिन बेनवसी ले गया है। जो अभी तक घर वापिस नही आयी है जिसके सम्बन्ध में थाना फेज-1 नोएडा पर मु0अ0स0 017/2025 धारा 137(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत है।

रंग- सावला, शरीर इकहरा बदन, आँख नाक कान: औसत, कद करीब 04 फुट 04 ईन्च उम्र करीब 14 वर्ष।

पहनावा:- कपड़े - काले रंग की जिन्स, काले रंग की कुर्ती, गुलाबी रंग का जैकेट, व पैरो मे गुलाबी रंग की सैंडल पहने हुए है। कृप्या तलाश कराये व किसी भी प्रकार की कोई भी सूचना प्राप्त होने पर थाना फेज-1 नोएडा गौतमबुद्धनगर को सूचित करने की कृपा करें।

प्रभारी निरीक्षक
थाना फेज-1 नोएडा
कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर
मो0नं0 8851065367

जांच कर्ता
राहुल प्रताप सिंह (उ0नि0)
थाना फेज-1 नोएडा
मो0नं0 8595902575

क्यों बदलता रहता है एशिया कप का फॉर्मेट

कब से हुई इस बदलाव की शुरुआत?

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप क्रिकेट की दुनिया के बड़े टूर्नामेंट्स में से एक है। जैसा इस टूर्नामेंट के नाम से पता चलता है, इस टूर्नामेंट में सिर्फ एशिया की टीमें खेलती हैं। भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, यूएई, हॉन्ग कॉन्ग इसमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट जब से शुरू हुआ है तब से काफी कुछ बदल चुका है। क्रिकेट भी और इसका खेलने का तरीका भी। इन बदलावों का असर एशिया कप पर भी पड़ा है।

1984 में पहली बार एशिया कप खेला गया था। इस टूर्नामेंट का कर्ता-धर्ता एशियन क्रिकेट काउंसिल है। इसी पर जिम्मेदारी होती है कि एशिया कप का आयोजन हर दो साल में किया जाए। टूर्नामेंट की शुरुआत जब हुई थी तब टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट ही थे। ऐसे में वनडे फॉर्मेट में ये टूर्नामेंट खेला जाता था।

2016 में बदल गया सब कुछ

फिर आया साल 2016 जब इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार टी20 फॉर्मेट में किया गया है। तब से ये टूर्नामेंट अल्टरनेट तौर पर एक बार वनडे और एक बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाता है। दरअसल, 2015 में आईसीसी में कई बदलाव हुए और ये बदलाव इसके कार्य करने की शैली में हुए। इस दौरान एसीसी की ताकत को कम किया गया, हालांकि एशिया कप की मेजबानी का जिम्मा अभी भी एसीसी के पास ही रखा गया था।

आईसीसी में जब बदलाव हुए तब तय किया गया कि एशिया कप का फॉर्मेट अब रोटेशनल होगा। जो गाइडलाइंस जारी की गईं तब ये तय गया है कि एक बार ये फॉर्मेट वनडे फॉर्मेट में होगा तो अगली बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इस बात का फैसला एशिया कप के बाद होने वाले आईसीसी इवेंट के आधार पर किया जाएगा।

यानी अगर एशिया कप के कुछ महीनों बाद या अगले साल वनडे वर्ल्ड कप है तो ये टूर्नामेंट 50 ओवरों का होगा। वहीं अगर टी20 वर्ल्ड कप है तो एशिया कप भी इसी फॉर्मेट में खेला जाएगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि एशिया की टीमों को वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक बड़ा मंच मिल जाए। इसी कारण 2016 में एशिया कप पहली बार टी20 फॉर्मेट में हुआ था क्योंकि कुछ ही महीने बाद भारत की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप होना था।

तीसरी बार होगा टी20 एशिया कप

2016 में पहली बार एशिया कप क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में खेला गया था। इसके बाद 2018 में वनडे में खेला गया था क्योंकि 2019 में वनडे वर्ल्ड कप था। 2022 में भी एशिया कप टी20 फॉर्मेट मेंखेला गया। 2025 में ये तीसरी बार है जब इस टूर्नामेंट का आयोजन इस फॉर्मेट में हो रहा है।

वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका ने लगातार दूसरा यूएस ओपन जीता

अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरा यूएस ओपन खिताब जीतकर अपने नाम कर लिया है. उन्होंने फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से शिकस्त दी. इसी के साथ सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद फ्लशिंग मीडोज में अपना एकल खिताब बरकरार रखने वाली पहली महिला बन गईं. अनिसिमोवा लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रही थीं. शुरुआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच सर्विस ब्रेक हुए, जिसमें सबालेंका ने अंततः बढ़त हासिल कर ली. उन्होंने तीसरी बार अनिसिमोवा की सर्विस ब्रेक की और 5-3 की बढ़त बना ली. कुछ मिनट बाद अनिसिमोवा का फोरहैंड वाइड लगने से सेट अपने नाम कर लिया.

दूसरे सेट में, सबालेंका 5-4 के स्कोर पर सर्विस ब्रेक करते हुए मैच जीतने की स्थिति में नजर आ रही थीं, लेकिन 30-30 के स्कोर पर ओवरहेड चूकने से अनिसिमोवा के लिए वापसी करने और सेट को टाईब्रेकर तक ले जाने का रास्ता खुल गया. हालांकि, सबालेंका ने संयम से जवाब दिया, शुरुआत से ही टाईब्रेकर पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने तीसरे चैंपियनशिप प्वाइंट के साथ जीत पक्की कर ली.

शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत विजेता खिलाड़ी ने आठवीं वरीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दमदार और संयमित खेल दिखाते हुए 2025 सीजन का अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब और करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीत ली. इसके साथ ही सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ में अपने करियर की 100वीं और इस सीजन की 56वीं जीत दर्ज की, जो इस साल टूर में सबसे अधिक है.

सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलां गैरो दोनों के फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन वहां खिताब से चूक गईं. इस साल की शुरुआत में विंबलडन सेमीफाइनल में सबालेंका को हराने वाली अनिसिमोवा इस मैच में 6-3 की बढ़त के साथ उतरीं, लेकिन एक बार फिर पिछड़ गईं. हार के बावजूद, अमेरिकी खिलाड़ी के पहली बार पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 5 में पहुंचने की उम्मीद है.

वैशाली ने ग्रैंड स्विस में दर्ज की लगातार तीसरी जीत

बेडेल्का को हराया; एकल बढ़त बनाई

समरकंद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गत चैंपियन और भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और जीत की हैट्रिक लगाई। वैशाली ने फिडे ग्रैंड स्विस के तीसरे दौर में ऑस्ट्रिया की ओल्गा बेडेल्का को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए महिला वर्ग में एकल बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, वंतिका अग्रवाल को चीन की युक्सिन सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं, डी हरिका को चीन की गुओ क्यूई ने ड्रॉ पर रोका। वंतिका और हरिका दोनों के 1.5-1.5 अंक हैं, जबकि वैशाली अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से आधे अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। ओपन वर्ग में विश्व चैंपियन डी गुकेश ने स्पेन के डेनियल युफा को पराजित किया जिससे उनके संभावित तीन में से 2.5 अंक हो गए हैं।

बीसीसीआई ने दिखाया अपना खाता-बही

एक साल का राजस्व 4193 करोड़, पांच साल में कमाए 14,627 करोड़

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले पांच वर्षों में अपने खजाने में 14,627 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। अकेले पिछले वित्त वर्ष में ही 4,193 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद बीसीसीआई के पास नकद और बैंक बैलेंस मिलाकर कुल 20,686 करोड़ रुपये हो गए हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य संघों का पूरा बकाया चुकाने के बाद भी बीसीसीआई की आमदनी लगातार बढ़ी है। 2019 में जहां बीसीसीआई का सामान्य कोष 3,906 करोड़ रुपये था, वहीं 2024 में यह लगभग दोगुना होकर 7,988 करोड़ रुपये हो गया है।

नकद और बैंक बैलेंस 20686 करोड़ रुपये हुआ

रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 की वार्षिक आम बैठक में प्रस्तुत लेखा विवरण में कहा गया है, 'मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई का नकद और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गया है, वह भी राज्य क्रिकेट संघों को पूरा भुगतान करने के बाद। 2019 से, बीसीसीआई ने पिछले पांच वर्षों में कुल 14,627 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। सिर्फ पिछले वित्त वर्ष में ही यह बढ़ोतरी 4,193 करोड़ रुपये की रही।' इसके अलावा, 2019 से, सामान्य निधि भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये हो गई है, जो 4,082 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

बीसीसीआई ने कर देनदारियों को देखते हुए भी बड़ी रकम अलग रखी है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,150 करोड़ रुपये आयकर प्रावधान में डाले गए हैं, हालांकि यह मामला अदालतों और न्यायाधिकरणों में अभी चल रहा है।

जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से 986.45 करोड़ रुपये हुई आय

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पिछले साल घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच कम होने से मीडिया अधिकार आय घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई, जबकि इसके पहले यह 2,524.80 करोड़ रुपये थी। लेकिन जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से निवेश से आय 533.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 986.45 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल और आईसीसी से मिलने वाले हिस्से की मदद से बीसीसीआई ने 2023-24 में 1,623.08 करोड़ रुपये का अधिशेष कमाया, जो 2022-23 के 1,167.99 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

राज्य संघों को दिए गए 1990.18 करोड़ रुपये

2023-24 के लिए, बीसीसीआई ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,200 करोड़ रुपये, फ्लैटिनम जुबली बेनेवोलेंट फंड के लिए 350 करोड़ रुपये और क्रिकेट विकास के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। राज्य संघों को 1,990.18 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि चालू वर्ष के लिए 2,013.97 करोड़ रुपये देने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आंकड़े 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में औपचारिक रूप से प्रस्तुत किए जाएंगे।5

अभिषेक शर्मा ने प्रैक्टिस में छुड़ाए सबके छक्के

एशिया कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 तैयार!

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के मुकाबलों में मैजिक कैसा होगा, अभिषेक शर्मा ने उसका ट्रेलर प्रैक्टिस में दिखा दिया है. उन्होंने सबके छक्के छुड़ा दिए हैं. भारत के किसी भी बल्लेबाज के मुकाबले नेट्स पर उन्होंने ना तो सबसे लंबे बल्कि सबसे ज्यादा छक्के भी जड़े. सामने चाहे गेंदबाज कोई भी हो, छक्के लगाने की उनकी कंसिस्टेंसी में कमी नहीं दिखी. जितने आराम से अभिषेक शर्मा गेंदों को बाउंड्री पार करा रहे थे, वो भारतीय फैंस की आंखों को सुकून देने वाला और दिल को ये दिलासा कि एशिया कप के खिताब पर कोई खतरा नहीं है. टीम इंडिया की प्रैक्टिस के अभिषेक शर्मा तो चार्म रहे ही. उसके अलावा एशिया कप की प्लेइंग इलेवन को लेकर भी बड़े संकेत मिलते दिखे.

पहली बार ऐसा टूर्नामेंट खेलेंगे अभिषेक

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का T20 एशिया कप पहला मल्टीनेशन टूर्नामेंट होगा. मगर इस बात का उनपर कोई दबाव नहीं दिखा. वो नेट्स पर अपने चिर-परिचित अंदाज में छक्के लगाते दिखे. अभिषेक के इस तूफानी अंदाज से ये बात और साफ हो गई कि भारत की ओपनिंग का जिम्मा सुरक्षित हाथों में है.

ओपनिंग से मिडिल ऑर्डर का नेट्स पर दिखा रंग

एशिया कप में ओपनिंग में अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार शुभमन गिल हो सकते हैं. क्योंकि, वो भी नेट्स पर अपनी बल्लेबाजी के दौरान गेंदों को हवा में लहराते हुए मारने की प्रैक्टिस करते दिखे. रिपोर्ट के अनुसार, अभिषेक और गिल की प्रैक्टिस के बाद तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह ने बारी-बारी प्रैक्टिस की. इन सबका जोर भी पावर हिटिंग पर रहा. बल्लेबाजी के बाद रिंकू सिंह ने फील्डिंग कोच टी. दिलीप के साथ ड्रिल भी किया.

जितेश शर्मा होंगे पहले विकेटकीपर, सैमसन को करना पड़ेगा इंतजार!

प्रैक्टिस सेशन के दौरान जितेश शर्मा को टीम के पहले विकेटकीपर के तौर पर तैयार होते दिखे. इस बीच संजू सैमसन बैटिंग कोच सितांशु कोटक के साथ नॉकिंग करते दिखे. उसके बाद उन्होंने मुख्य नेट्स का रुख जरूर किया. पर वो ओपनिंग या विकेटकीपिंग में टीम इंडिया की फर्स्ट चॉइश होंगे. उसे लेकर कुछ भी क्लियर होता नहीं दिखा.

ये हो सकते हैं ऑलराउंडर और गेंदबाज

ऑलराउंडर्स हार्दिक पंड्या ने भी नेट्स पर जमकर पसीना बहाया. उन्होंने पहले गेंदबाजी की. फिर अपनी बल्लेबाजी पर फोकस किया. गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने लंबे स्पेल नेट्स पर डाले. अर्शदीप सिंह ने शॉर्ट पिच गेंदों का अच्छा मिक्स किया. स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने भी लंबे स्पेल डाले.

एशिया कप में टीम इंडिया की प्लेइंग 11?

अब प्रैक्टिस सेशन से जो संकेत मिले हैं, अगर सबकुछ वैसा ही रहने वाला है तो समझ लीजिए कि एशिया कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन तैयार है. और, वो कुछ इस प्रकार होगी.

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

निकहत ने दर्ज की धमाकेदार जीत

लवलीना, हितेश मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप से बाहर

लिवरपूल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्टार महिला मुक्केबाज निकहत जरीन मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप में एकतरफा जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही. तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता अनुभवी लवलीना का सफर हार के साथ खत्म हुआ. चोट से वापसी कर रही दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने महिलाओं की 51 किग्रा भारवर्ग में अमेरिका की जेनिफर लोजानो को 5-0 से आसानी से हराया.

वहीं दूसरी तरफ लवलीना बोरगोहेन की चोट से वापसी निराशाजनक रही. महिलाओं की 75 किग्रा वर्ग में अपने पहले मुकाबले में ही तुर्की की बुसरा इसिलदार के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा. कुछ दिन पहले ही उन्होंने बताया कि वो पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर संन्यास लेना चाहती थी. उनका सपना पूरा नहीं हो पाया इसी वजह से वो अपने अभियान को जारी रख रही हैं. लवलीना का सपना भारत के लिए ओलंपिक पदक को जीतकर विदाई लेने का है. फिलहाल जिस तरह का प्रदर्शन उनका है उससे तो यह मुश्किल लग रहा है.

पुरुष वर्ग में भी भारतीय खेमे को निराशा हाथ लगी जब दो बार के विश्व कप पदक विजेता और डेब्यू कर रहे हितेश गुलिया 70 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गए. तीसरी वरीयता प्राप्त गुलिया को नीदरलैंड के बोस फिन रॉबर्ट के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल को जीत मिली. उन्होंने शुक्रवार रात पुरुषों की 90 किग्रा से अधिक भार वर्ग की शुरुआती बाउट में आयरलैंड के मार्टिन क्रिस्टोफर मैकडोनाग को हराया. 4-1 से जीत हासिल कर अंतिम 16 में जगह बनाई.

हरियाणा की मोनिका ने थाईलैंड में जीता गोल्ड

प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप, पाकिस्तान की खिलाड़ी को किया नॉकआउट, गांव में खुशी का माहौल

रोहतक, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गांव पिरथला की मोनिका बॉक्सर ने थाईलैंड के बैंकॉक में प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मोनिका का मुकाबला पाकिस्तान की आलिया सोमरा के साथ हुआ। बॉक्सिंग के 8 राउंड की फाइट में छठे में ही मोनिका ने आलिया को नाकआउट कर जीत हासिल की। कोच विजय नरवाल ने बताया कि इससे पहले भी मोनिका जापान, कजाकिस्तान जैसे अन्य देशों में भी प्रो बॉक्सिंग में पदक जीत चुकी है।

मोनिका के पिता महेंद्र सिंह हरियाणा रोडवेज में इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं। गांव वासी दलबीर सिंह, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि संदीप ने कहा कि मोनिका की इस उपलब्धि से पूरे देश में गांव का नाम रोशन हुआ है। मोनिका का टोहाना पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया जाएगा। मोनिका की इस उपलब्धि पर विधायक परमवीर सिंह, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, डॉ. शिव सचदेवा, आईएमए प्रधान डॉ. दीपांश भाटिया, मानव सेवा संगम प्रधान सतपाल नन्हेड़ी, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल संरक्षक रमेश गोयल व एचबी राइस मिल से हनी बंसल ने बधाई दी है।

एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के उतरेगी टीम इंडिया

एसीसी के वीडियो में दिखी भारतीय जर्सी की झलक, ड्रीम-11 का नाम हटा

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया क्रिकेट एशिया कप में बिना जर्सी स्पॉन्सर के उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने शनिवार को टीम इंडिया का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नई जर्सी में कोई भी स्पॉन्सर का नाम नहीं है। जर्सी की बाएं ओर बीसीसीआई का लोगो है, जबकि दाहिने तरफ डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 लिखा हुआ है। डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 का स्पॉन्सर है। इसके अलावा जर्सी पर केवल इंडिया का नाम लिखा हुआ है। 22 अगस्त को सरकार के ऑनलाइन गेमिंग एक्ट-2025 लागू करने के बाद ड्रीम-11 ने बीसीसीआई के साथ करार खत्म किया था। इसके बाद बीसीसीआई ने 2 सितंबर को जर्सी स्पॉन्सरशिप के लिए टेंडर जारी किया था। टेंडर खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है।

स्पॉन्सरशिप की बोली लगाने की अंतिम तारीख 16 सितंबर तय की गई है। वहीं, एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। ड्रीम 11 और बीसीसीआई में करार खत्म हो गया है। साल 2023 में ड्रीम 11 टीम इंडिया की जर्सी स्पॉन्सर बनी थी। ये डील 3 सालों के लिए थी, लेकिन वक्त से 6 महीने पहले ही ये डील रद्द हो गई। केंद्र सरकार ने अगस्त में ऑनलाइन गेमिंग एक्ट में बड़ा बदलाव किया और पैसों की लेन देन करने वाले ऐप्स को बैन कर दिया। इसके बाद ड्रीम 11 को बड़ा झटका लगा। अब बीसीसीआई नए जर्सी स्पॉन्सरशिप की तलाश में है। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी। भारतीय टीम को पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलना है। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं 19 सितंबर को टीम इंडिया ओमान के खिलाफ खेलेगी।

वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप-भारत को मेंस कंपाउंड इवेंट में पहला गोल्ड

ऋषभ-अमन और प्रथमेश की तिकड़ी ने फ्रांस की टीम को हराया

गवांग्जू, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेष फुगे की जोड़ी ने मैच के हर पल संयम बनाए रखा और अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी।

इस शानदार जीत के साथ भारत ने तीरंदाजी के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ताकत का सबूत पेश किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

फाइनल तक पहुंचने के लिए भारत ने ऑस्ट्रेलिया, मजबूत टीम अमेरिका और तुर्की को रोमांचक मुकाबलों में हराते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

इससे पहले भारतीय तिरंदाजी जोड़ी ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ ने नीदरलैंड के खिलाफ रोमांचक फाइनल में 155-157 से हारते हुए भारत को रजत पदक दिलाया था।

विश्व तिरंदाजी चैंपियनशिप के पहले दिन ही भारत ने 2 पदकों को सुनिश्चितता कर लिया। युवा ऋषभ ने हर मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। पिछली बार की विजेता भारत की महिला कंपाउंड टीम- ज्योति सुरेखा वेन्नम, परमीत कौर और प्रिथिका प्रदीप को कंपाउंड महिला टीम इवेंट के दूसरे दौर में इटली के खिलाफ 229-233 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका और टीम पर इस हार का बड़ा असर पड़ा। खिलाड़ियों ने पूरी कोशिश की, लेकिन इटली ने मुकाबले में बढ़त बनाकर जीत हासिल कर ली।

पितरों के निधन की तिथि नहीं है पता तो कैसे करें श्राद्ध और तर्पण ?

पितृ पक्षका प्रारंभ 8 सितंबर दिन रविवार से हो रहा है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार पितृ पक्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर अमावस्या तिथि तक चलता है. आश्विन माह का पूरा कृष्ण पक्ष पितरों के तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान आदि के लिए समर्पित होता है, जिसे पितृ पक्ष के नाम से जानते हैं।

पितृ पक्ष पितरों की पूजा और श्रद्धा से जुड़ा पर्व है. इसमें पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान, पिंडदान, श्राद्ध आदि करते हैं. परिवार के जिस सदस्य का निधन हो जाता है, वही उस परिवार का पितर होता है. पितरों में व्यक्ति का पिता, मां, दादा, दादी, चाचा, चाची, नाना, नानी आदि सगे-संबंधी हो सकते हैं. जिस तिथि पर व्यक्ति का निधन होता है, उसी तिथि पर पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध आदि करते हैं. सवाल यह है कि किसी को अपने पितरों के निधन की तारीख पता नहीं है तो वह पितृ पक्ष में उनके लिए श्राद्ध और तर्पण कैसे करेगा?

पितर की तिथि पता नहीं है तो क्या करें?

शास्त्रों के अनुसार, जब किसी की मृत्यु किसी भी माह के किसी भी पक्ष की किसी भी तिथि को होता है तो पितृ पक्ष की 15 तिथियों में संबंधित तिथि पर उसका श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान किया जाता है. जैसे किसी की मृत्यु चैत्र शुक्ल द्वितीया तिथि को हुई है, तो उसके लिए तर्पण और श्राद्ध पितृ पक्ष की द्वितीया तिथि पर होगी।

जिस व्यक्ति के निधन की तिथि पता नहीं है तो उसके लिए भी शास्त्रों में व्यवस्था दी गई है. पितृ पक्ष में सर्व पितृ अमावस्या आती है, जिसे आश्विन अमावस्या भी कहते हैं. पंचांग के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ती है।

जिस व्यक्ति के निधन की तारीख नहीं मालूम है तो पितृ पक्ष में उसके लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म सर्व पितृ अमावस्या के दिन करते हैं। इस दिन आप उन माताओं, बहनों या स्त्री संबंधी पितरों का भी श्राद्ध कर सकते हैं, जो विधवा थीं और उनके निधन की तिथि पता नहीं है।

पितृ पक्ष में नवमी तिथि आती है, जिसे मातृ श्राद्ध या नवमी श्राद्ध कहते हैं। इस दिन उन मातृ पितरों का श्राद्ध होता है, जो सुहागन रहते ही स्वर्ग लोक चली गईं।

सर्व पितृ अमावस्या की तारीख

इस साल सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर, दिन रविवार को है. सर्व पितृ अमावस्या पर भूले-विसरे, ज्ञात, अज्ञात सभी प्रकार के पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान, दान, पंचबलि कर्म करते हैं।

पितृपक्ष में करें इनमें से किसी एक चीज का दान, आर्थिक तंगी और पितृ दोष होगा दूर

इस बार पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर, रविवार से होने जा रहा है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की शांति और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजा व दान करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान दान-पुण्य जरूर करना चाहिए। इससे पूर्वज प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, पितृ पक्ष में कुछ विशेष चीजों का दान करने से पितृ दोष भी समाप्त हो सकता है और पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि किन-किन चीजों का दान करना लाभदायक होता है।

इस वस्तु के दान से पितरों की कृपा होगी प्राप्त

गरुड़ पुराण और अन्य शास्त्रों में इस बात का वर्णन मिलता है कि जिस प्रकार मौसम में बदलाव का हम पर प्रभाव पड़ता है, उसी तरह हमारे पूर्वजों पर भी इसका असर होता है।

ऐसे में अगर आप पितरों के निमित्त वस्त्रों का दान करते हैं, तो इससे पितरों की कृपा सदैव जातक पर बनी रहती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है। माना जाता है कि पितृपक्ष में दुपट्टे और धोती का दान करना सबसे फलदायी होता है।

जीवन में सुख-शांति के लिए करें यह वस्तु दान

मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के नाम से छतरी का दान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को कई बाधाओं और समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इससे जीवन में सुख-शांति और खुशहाली आती है। ऐसे में अगर आप छतरी का दान करें तो इससे बेहद शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

काले तिल का दान है सबसे महत्वपूर्ण

पितृ पक्ष में श्राद्ध के हर कर्म में काले तिल का प्रयोग किया जाता है। कहा जाता है कि पितृपक्ष के दौरान काले तिल का दान जरूर करना चाहिए। अगर आप और किसी वस्तु का दान न कर पाएं तो यह एक चीज जरूर दान करें। इससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली परेशानियों से पूर्वज हमारी रक्षा करते हैं।

इस चीज के दान से आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आपके घर में लंबे समय से समस्याएं चल रही हैं, परिवार के बीच छोटी-छोटी बात लड़ाई-झगड़े होते हैं और आर्थिक तंगी से भी परेशान हैं तो पितृपक्ष के दौरान एक चीज का दान जरूर करें। इसके लिए पितरों के निमित्त गुड़ और नमक का दान करके देखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है और परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बनता है।

पितरों को प्रसन्न करने के लिए यह चीज करें दान

पितृपक्ष के दौरान चांदी का दान करना भी बहुत उत्तम माना गया है। आप अपनी क्षमता के अनुसार, चांदी का दान कर सकते हैं। पुराणों के अनुसार, पितरों का निवास चंद्रमा के ऊपरी भाग में होता है। यही कारण है कि पितरों को चांदी प्रिय मानी जाती है। ऐसे में अगर आप पितृपक्ष के दौरान दूध, चावल, चांदी आदि का दान करते हैं तो इससे पितर प्रसन्न होते हैं और बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इष्ट देवी-देवता का पता कुंडली देखकर कैसे करें?

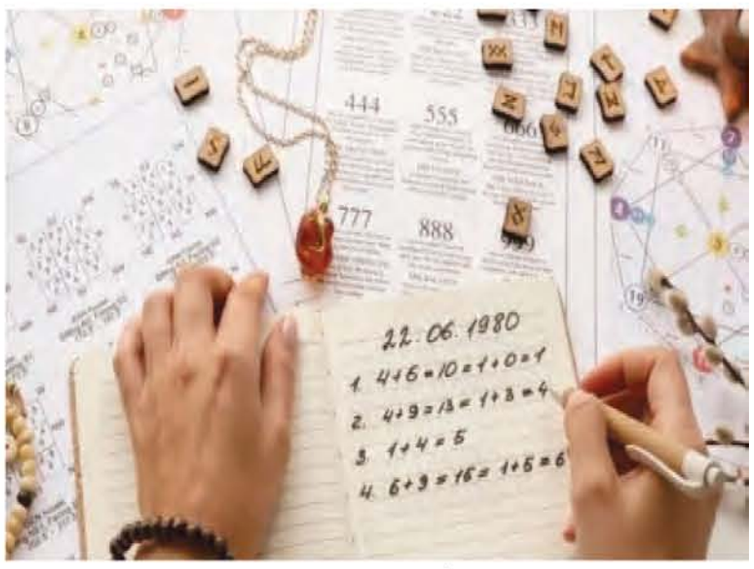

इष्ट देवी-देवता का अगर आपको पता हो तो उनकी पूजा से जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। हालांकि, कई ऐसे लोग हैं जिनको अपने इष्ट देवी-देवता का पता नहीं होता और इसकी वजह से परेशानियों का सामना उनको हर क्षेत्र में करना पड़ता है। आइए ऐसे में जानते हैं कि आप कैसे कुंडली देखकर अपने इष्ट देवी-देवता का पता कर सकते हैं।

कुंडली से इष्ट देवी-देवता को जानने का पहला तरीका

अगर आपको अपने जन्म की तारीख, समय और स्थान का पता है तो बहुत आसानी से आप अपने इष्ट देवी-देवता का पता कर सकते हैं। जन्म की जानकारियों के अनुसार आप कुंडली बनवा सकते हैं या फिर इंटरनेट के माध्यम से खुद भी कुंडली बना सकते हैं।

कुंडली बनाने के बाद आपको कुंडली के पंचम भाव को देखना है इस भाव में जो ग्रह स्थित होता है उससे संबंधित देवी-देवता आपके इष्ट होते हैं। उदाहरण के लिए पंचम भाव में गुरु ग्रह हैं तो आपके इष्ट देवता भगवान विष्णु होंगे। इष्ट देव को जनाने की इस प्रक्रिया को पंचम भाव पद्धति भी कहा जाता है। आपको बता दें कि पंचम भाव पूर्व जन्म का सूचक होता है इसलिए इसी भाव से इष्ट देवी-देवता का।

अगर कुंडली के पंचम भाव में कोई ग्रह नहीं है तो इस भाव की राशि के स्वामी के आधार पर भी आप इष्ट देव का पता कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कुंडली के पंचम भाव में कोई ग्रह नहीं है और वहां 3 अंक लिखा है तो तीसरी राशि मिथुन के स्वामी बुध के अनुसार इष्ट देव का पता चलेगा। यानि ऐसे लोगों के इष्ट देव गणपति होंगे क्यों बुध का संबंध गणेश जी से माना जाता है। इस आसान तरीके से आप अपने इष्ट देव को जानकर उनकी पूजा कर सकते हैं और जीवन में लाभ पा सकते हैं।

कुंडली से इष्ट देवी-देवता को जानने का दूसरा तरीका

जैमिनी ज्योतिष के अनुसार आपके इष्ट-देवता कुंडली में आपके आत्मा कारक ग्रह के अनुसार देखे जाते हैं। कुंडली का आत्मा कारक ग्रह वो होता है जो सब ग्रहों में सबसे अधिक अंश का होगा। इसका पता करने के लिए आपको किसी योग्य ज्योतिषी की मदद लेना चाहिए। इस तरीके को वर्तमान समय में अधिक प्रासंगिक माना जाता है।

मां के आंसुओं ने बदल दिया सम्राट अशोक का जीवन, कैसे टूटा जीत का घमंड ?

प्रसंग उस समय का है, जब सम्राट अशोक ने कलिंग विजय कर ली थी। उस युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। उस दिन मानवता कलंकित हुई थी, पर सम्राट अशोक अपने विजयी गर्व में चूर हो रहे थे। विजय उत्सव मनाया जा रहा था।

अशोक अपनी माता को विजय के अहंकार में बता रहे थे, "यह कलिंग नरेश मेरी अधीनता स्वीकार नहीं कर रहा था। मैंने उसे ही नहीं पूरे कलिंग को राख के ढेर में तबदील कर दिया।"

सम्राट अशोक सोच रहे थे कि माता उनकी इस विजय पर गर्व करेंगी, खुश होंगी। लेकिन सम्राट अशोक की अहंकारपूर्ण बातें सुनकर माता दुखी हो रही थीं। उनकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। वह इस युद्ध और उसके परिणाम से अत्यंत दुखी थीं। माता को दुखी देखकर अशोक को आश्चर्य हुआ।

उसने पूछा, "माता! आप रो रही हैं? ऐसा क्यों? आपको तो अपने वीर और विजयी पुत्र पर गर्व होना चाहिए। प्रसन्न होना चाहिए कि आपके पुत्र ने कलिंग पर विजय प्राप्त कर ली है।"

महारानी ने उत्तर में जो शब्द कहे, वे बहुत मार्मिक और झकझोरने वाले थे।

महारानी ने अशोक से कहा, "पुत्र ! तेरा नाम अशोक है, यानी दुनिया को शोकमुक्त करने वाला, लेकिन तू तो संसार में शोक का ही प्रसार कर रहा है। तनिक विचार कर कि जिन लाखों नारियों के पुत्र और पति मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनमें यदि एक तू स्वयं भी होता तो तेरी माता को कितनी पीड़ा होती ?"

महारानी इससे अधिक कुछ नहीं कह पाईं लेकिन इतने से शब्द में करुणा का जो सागर लहरा रहा था, उसमें भारतवर्ष का वह सम्राट उस दिन डूब गया। माता के दर्द और करुणा भरे शब्दों ने सम्राट अशोक की सोच और जीवन की दिशा को ही बदल दिया।

कुलदेवी-देवता कौन होते हैं, कैसे पता लगाएं, इनकी पूजा क्यों है जरूरी?

कुल देवता आमतौर पर कुल देवी और कुल देवता के रूप में जाने जाते हैं। इन्हें कुल का रक्षक माना जाता है और जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों जैसे शादी, जन्म, नामकरण आदि अनुष्ठानों के समय इनकी पूजा जरूर की जाती है। कहते हैं कुल देवी-देवता की पूजा से परिवार को सुख, समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दुर्भाग्य दूर हो जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार अगर कुल देवी-देवताओं को पूजा न जाए तो ये नाराज हो जाते हैं जिससे जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कहते हैं इनकी पूजा से पूर्वजों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। चलिए जानते हैं कुल देवी-देवता का कैसे पता लगाएं।

अपने कुलदेवी या कुलदेवता का कैसे पता लगाएं?

इस बारे में अपने परिवार के बुजुर्गों से पूछें। आप अपने माता-पिता, दादा-दादी या चाचा-ताऊ से कुल देवी-देवता के बारे में जान सकते हैं।

अपने पैतृक स्थान पर जाएं और वहां उन मंदिरों का दौरा करें जहां पर आपके परिवार के लोग पूजा करते थे। वहां के मंदिर या पुजारी आपको इस बारे में बता सकते हैं।

कुंडली से या किसी जानकार पंडित से भी इस बारे में पता लगवा सकते हैं।

कुछ गोत्रों के विशिष्ट देवी-देवता भी होते हैं, जैसे कश्यप गोत्र में कई बार भगवान विष्णु या देवी दुर्गा कुल देवता होते हैं।

कुछ ज्योतिषी विशेष अनुष्ठान के माध्यम से कुल देवता का पता लगाने का दावा करते हैं।

कुल देवी-देवताओं की पूजा कब-कब की जाती है?

कुछ परिवार रोजाना या सप्ताह में एक बार कुल देवी-देवता की पूजा करते हैं।

कुछ लोग अमावस्या, पूर्णिमा या कुछ खास तिथियों पर इनकी पूजा करते हैं।

शादी से पहले या बाद में कुल देवी-देवता की पूजा अनिवार्य मानी जाती है।

बच्चे के जन्म, नामकरण या अन्य संस्कारों के समय भी कुल देवता की पूजा जरूर की जाती है।

विशेष रूप से कई लोग अपनी कुल देवी की पूजा नवरात्रि के दौरान करते हैं।

दिवाली, होली और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों पर भी कुल देवी-देवता को याद किया जाता है।

कुछ परिवारों में कुल देवी-देवता से जुड़े विशेष दिन या मेले होते हैं जहां कुल देवी-देवताओं का स्मरण किया जाता है।

परिवार में कोई कठिनाई, बीमारी या परेशानी होने पर भी कुल देवी-देवता को याद करने से लाभ मिलता है।

नए कार्य की शुरुआत के समय भी कुल देवी-देवता को याद किया जाता है।

कई परिवार अपने कुल देवी-देवता के मंदिर में साल में एक बार विशेष पूजा या अनुष्ठान करते हैं, जिसे कुल पूजा कहा जाता है। ये पूजा सामूहिक रूप से की जाती है।

सरल शब्दों में समझें तो कुल देवी-देवता की पूजा का समय परिवार की परंपरा पर निर्भर करता है। जैसे कुछ परिवार नवरात्रि के पहले दिन कुल देवी की पूजा करते हैं, तो कुछ अंतिम दिन।

अगर कुलदेवी-देवता का पता न चल पाए तो क्या करें?

अगर आपको किसी भी माध्यम से अपने कुल देवी-देवता का पता नहीं चल पाया है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आप अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर एक सामान्य पूजा शुरू करें और धीरे-धीरे परंपराओं का निर्माण करें। कुछ विद्वानों अनुसार कुल देवी-देवता का पता न होने पर आप गणेश जी, भगवान शिव, दुर्गा माता और भगवान विष्णु किसी को भी अपना कुल देवता मानकर उनकी पूजा कर सकते हैं।

कुलदेवी या कुलदेवता की पूजा से क्या होता है?

ऐसी मान्यता है कि कुलदेवी और कुलदेवता की पूजा से परिवार पर कोई बड़ा संकट नहीं आता। साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि सदैव बनी रहती है। बिना उनकी पूजा के किसी भी शुभ काम की शुरुआत नहीं की जाती।

आइंस्टीन ने बताया अपना गुरुमंत्र, जो हर छात्र और युवा को जरूर जानना चाहिए

वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन से एक युवक ने पूछा, "आज सारी दुनिया में आपका नाम है। सभी आपकी प्रशंसा करते हैं। आपको महान कहते हैं। कृपया मुझे बताएं कि आखिर महान बनने का मंत्र क्या है ?"

आइंस्टीन ने इस लंबे सवाल का जवाब सिर्फ एक शब्द में दिया- लगन। 'जी, मैं कुछ समझा नहीं।' युवक ने भी तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की।

आइंस्टीन मुस्कुरा उठे और बोले, "जब मैं तुम्हारी उम्र का था तब गणित से बहुत डरता था। मैं अक्सर गणित में फेल हो जाता था। मुझे सजा मिलती, मेरे दोस्त मेरे से आगे बढ़ जाते। वे मेरा मजाक उड़ाते। तुम समझ सकते हो मुझ पर क्या गुजरती होगी ?"

एक दिन मैंने सोचा कि मुझमें कोई कमी तो नहीं है फिर मैं गणित से क्यों घबराता हूं? बस, उस दिन के बाद मैं गणित के सवालों से जूझने लगा। बार-बार असफल हुआ।

दोस्तों के मजाक का पात्र बना। लेकिन फिर धीरे-धीरे सवाल हल भी होने लगे। इनसे मेरा उत्साह बढ़ता, मगर फिर कठिन सवाल आने पर हिम्मत छूटने लगती। दोनों ही स्थितियों में मैं प्रयास करना नहीं छोड़ता। एक ही लगन थी कि मैं गणित के भय

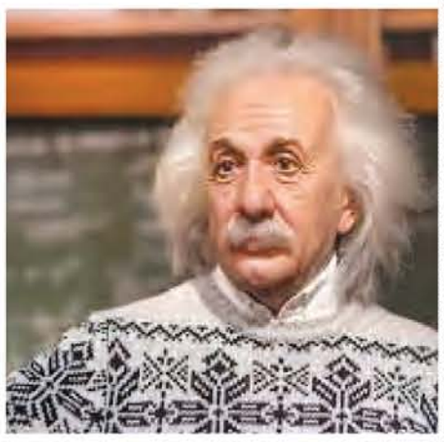

का भूत भगाकर रहूंगा। इसी लगन का यह फल है कि आज लोग मेरे सिद्धांतों को अपनाते हैं। लगन ही मेरा गुरुमंत्र है। तुम भी इस गुरुमंत्र को कभी मत छोड़ना। उसी से तुम्हारी राह बनेगी।

उस युवक को उसी दिन लगन का महत्व पता चल गया। वह अल्बर्ट आइंस्टीन को धन्यवाद करके लौट आया और उसी दिन से उसने नई लगन से पढ़ाई की शुरूआत कर दी।

मोगरे का पौधा इस दिशा में लगाकर देखें, गृह क्लेश से मिलेगी मुक्ति

मोगरे के फूल की खुशबू बेहद मनमोहक होती है और यह दिखने में भी बहुत आकर्षक लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे घर में लगाने के कई ज्योतिषी लाभ भी होते हैं। अगर आप वास्तु के अनुसार मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाते हैं तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि घर में मोगरे का पौधा लगाने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे जातक को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। लेकिन इसके लिए मोगरे का पौधा लगाते समय वास्तु के सभी नियमों का ख्याल भी अवश्य रखना चाहिए। गलत स्थान या दिशा में इस शुभ पौधे को लगाने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि मोगरे का पौधा कहां लगाना चाहिए और इससे जुड़े कुछ जरूरी वास्तु टिप्स...

मोगरे का पौधा घर में लगाना होता है बेहद शुभ

इस पौधे के सुगंधित पुष्पों को पूजा में शामिल करने का भी खास महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव, विष्णुजी और माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान मोगरे के फूलों का इस्तेमाल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, इससे आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है। अगर आप गुरुवार और शुक्रवार के दिन पूजा के दौरान इस फूलों का प्रयोग करते हैं, तो इससे भगवान विष्णु और माता

लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों को जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है।

मोगरे का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर सभी वास्तु नियमों का ख्याल रखकर मोगरे को घर में लगाया जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व दिशा में भी मोगरे का पौधे लगा सकते हैं। ऐसा करने से आसपास का वातावरण शांतिपूर्ण और खुशनुमा बनता है। साथ ही, पौधे को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां उसे धूप और हवा मिलती रहे।

मोगरे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस पौधे के फूल की खुशबू मनमोहक और मन को शांति प्रदान करने वाली होती है। ऐसे में आप इसे घर के प्रवेश द्वार या खिड़की के पास भी लगा सकते हैं।

मान्यता है कि मोगरे के पौधे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां अंधेरा न रहता हो। साथ ही, उस जगह की नियमित साफ-सफाई का भी अवश्य ख्याल रखें।

अगर आपके घर में लगा मोगरे का पौधा सूख गया है तो उसे घर से तुरंत हटा दें। इस प्रकार का पौधा घर में सकारात्मकता की जगह नकारात्मकता फैला सकता है।

मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मोगरे के पौधे को सही दिशा में लगाने से मानसिक तनाव कम होता है और घर का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। यह शुभ पौधा घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद करता है। इसकी जगह यह पौधा आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। साथ ही, इससे जातक को गृह क्लेश से निजात मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर मोगरे का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और रिश्तों में संतुलन बना रहता है।

नेहा कक्कड़ के नए गाने 'तू प्यासा' ने मचाई धूम

सिंगर और डिनो मोरिया की केमिस्ट्री पर फिदा हुए फैंस

पॉप सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपना नया गाना 'तू प्यासा है' रिलीज कर दिया है, जिसे सुनकर उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं. यह ट्रैक अब सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है और सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. गाने की धुन और नेहा की आवाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और टैलेंटेड सिंगर्स में से एक हैं.

गाना 'तू प्यासा है मैं पानी सनम

नेहा कक्कड़ की आवाज में गाना 'तू प्यासा है' 5 सितंबर को यूट्यूब पर रिलीज हुआ. इस पार्टी सॉन्ग को टोनी कक्कड़ ने प्रोड्यूस किया है और आदिल शेख ने डायरेक्ट किया है. इस गाने में नेहा बॉलीवुड एक्टर डिनो मोरिया के साथ नजर आ रहीं हैं. दोनों की जोड़ी को फैंस फायर बता रहे हैं. ऑनस्क्रीन दोनों में कमाल की केमिस्ट्री दिख रही है.

म्यूजिक और बीट्स युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं

'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' एक रोमांटिक और एनर्जेटिक सॉंग है, जिसमें नेहा का सिजलिंग लुक देखने लायक है. गाने का म्यूजिक और बीट्स यंग जनरेशन को खूब पसंद आ रहे हैं. डिनो मोरिया की मौजूदगी ने गाने को और भी अट्रैक्टिव बना दिया है. फैंस इस गाने को अपने प्लेलिस्ट में शामिल कर रहे हैं और वीडियो भी यूट्यूब पर तेजी से देखा जा रहा है. यूट्यूब पर अब तक इस गाने को 4 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है.

फैंस ने की तारीफ

नेहा कक्कड़ का गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. फैंस को नेहा कक्कड़ और डीनो मोरिया की सिजलिंग केमेस्ट्री काफी पसंद आई है. यूजर ने कॉमेंट्स के जरिए नेहा की जमकर तारीफ की. एक यूजर ने लिखा, "क्या कमबैक है! नेहा की रॉ वॉइस + टोनी के बोल + डिनो की पर्सनालिटी = ब्लॉकबस्टर एनर्जी" वहीं एक अन्य फैन ने कहा, "ऐसे कमबैक के लिए बस एक शब्दलेजेंडरी."

डिनो मोरियो की एल्बम सॉन्ग्स में वापसी

डीनो मोरियो ने इस गाने के जरिए में म्यूजिक दुनिया में शानदार वापसी की है. 'राज', 'गुनाह', 'अक्सर', 'हाउसफुल 5' और 'एजेंट' जैसी फिल्मों में एक्टिंग से पहले वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुके हैं. उनके इस कमबैक से फैंस काफी एक्साइटेड हैं.

एमएस धोनी क्रिकेटर से एक्टर बने

फिल्म द चेज में दिखेंगे, आर. माधवन के साथ फायरिंग करते दिखे कैप्टन कूल

टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब एक्टिंग की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। जल्द ही वह एक्टर आर. माधवन के साथ फिल्म 'द चेज' में दिखेंगे। इसमें धोनी और माधवन ब्लैक आउटफिट और सन ग्लासेस पहने हैं और हाथों में गन लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। आर. माधवन ने फिल्म का टीजर शेयर किया। इस फिल्म को वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। वासन आलिया भट्ट की मूवी जिगरा के भी डायरेक्टर थे।

इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और संजय दत्त भी नजर आएंगे। इसे 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

धोनी के जीवन पर फिल्म 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' बन चुकी है। यह साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने धोनी का किरदार निभाया था। इसके अलावा दिशा पाटनी, कियारा आडवाणी, अनुपम खेर और भूमिका चावला जैसे कलाकार भी इसमें अहम भूमिकाओं में दिखे थे। करीब 104 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 216 करोड़ रुपए कमाए थे।

धोनी फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और IPL में CSK की ओर से खेलते हैं। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। उन्होंने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

धोनी IPL में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने IPL में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है। धोनी ने अपनी कप्तानी में CSK को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली।

सईमा अवॉर्ड्स में फैंस को निर्देशक सुकुमार ने दिया 'पुष्पा 3' का तोहफा

दुबई में आयोजित हुए सईमा अवॉर्ड्स 2025 इस बार पूरी तरह से 'पुष्पा 2: द रूल' के नाम रहे। निर्देशक सुकुमार और उनकी टीम ने एक साथ पांच बड़ी कैटेगिरी में जीत हासिल की। इस जीत के बाद सुकुमार ने मंच से ही वो एलान कर दिया जिसका इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे थे। डायरेक्ट ने 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' के बनने पर मुहर लगा दी।

'पुष्पा 2' के नाम अवॉर्ड्स की झड़ी

कार्यक्रम के दौरान अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर, रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस, सुकुमार को बेस्ट डायरेक्टर, देवी श्री प्रसाद को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर और शंकर बाबू कंदुकुरी को बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल) का अवॉर्ड मिला। जीत के बाद अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लगातार तीसरी बार सईमा अवॉर्ड जीतना उनके लिए गर्व का पल है। उन्होंने इसका श्रेय अपने डायरेक्टर, पूरी टीम और सबसे बढ़कर अपने फैन्स को दिया।

पुष्पा 3 की आधिकारिक पुष्टि

दरअसल अवार्ड फंक्शन के दौरान होस्ट ने मजाकिया अंदाज में पूछा- 'पार्टी नहीं है पुष्पा?' इसके बाद सवाल आया कि क्या तीसरा पार्ट बनेगा या नहीं। सुकुमार ने पहले अर्जुन और प्रोड्यूसर की ओर देखा और उनके इशारे पर हंसते हुए कहा- 'बिल्कुल, पुष्पा 3 आ रही है।' अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है।

पुष्पा' फ्रेंचाइजी का अब तक का सफर

2021 में आई 'पुष्पाः द राइज' ने महामारी के बीच लगभग 350 करोड़ की कमाई कर साल की सबसे बड़ी फिल्म बनने का रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद 2024 में रिलीज हुई 'पुष्पा 2: द रूल' ने तो 1871 करोड़ रुपये की वर्ल्डवाइड कमाई कर भारतीय सिनेमा में नया इतिहास रच दिया। यह फिल्म तेलुगु सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी और ऑल इंडिया स्तर पर सिर्फ दंगल से पीछे रही। फिल्म में अल्लू अर्जुन का किरदार पुष्पा राज लोगों को बेहद भाया।

कहानी का अगला अध्याय

'पुष्पा 2' का अंत एक बड़े क्लिफहैंगर पर हुआ था, जिसने फैन्स को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि आगे की कहानी कहां जाएगी। बहुतों को शक था कि तीसरा पार्ट शायद न बन पाए, क्योंकि निर्देशक सुकुमार की दूसरी फिल्में भी लाइनअप में हैं और अर्जुन इस वक्त एटली की साई-फाई फिल्म में दीपिका पादुकोण के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब पुष्पा 3 की पुष्टि ने सभी शंकाओं को खत्म कर दिया है।

राधिका आप्टे ने 'अंधाधुन' और 'पैडमैन' जैसी शानदार फिल्मों से जीता दिल

राधिका ने थिएटर से अपने करियर की शुरुआत की और कभी अपने परिवार से आर्थिक मदद नहीं ली। शुरुआती दिनों में वह शेयरिंग रूम में रहती थीं और पैसे बचाने के लिए बस से सफर करती थीं। उनकी मेहनत और टैलेंट ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास मुकाम दिलाया। हाल ही में, वह अपनी फिल्म 'साली मोहब्बत' और 'लस्ट स्टोरीज' के तीसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा, राधिका अब निर्देशन की दुनिया में भी कदम रख रही हैं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और बढ़ रही है।

राधिका आप्टे का जन्मदिन 7 सितंबर 1985 को तमिलनाडु के वेल्लोर में एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता डॉ. चारुदत्त आप्टे एक न्यूरोसर्जन हैं और पुणे के सह्याद्री हॉस्पिटल के अध्यक्ष रहे हैं। राधिका ने पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज से गणित और अर्थशास्त्र में पढ़ाई पूरी की।

उन्होंने 2013 में ब्रिटिश म्यूजिशियन बेनेडिक्ट टेलर से शादी की। दोनों की मुलाकात 2011 में लंदन में हुई थी, जब राधिका वहां कंटेम्परारी डांस सीख रही थीं। उनकी शादीशुदा जिंदगी काफी निजी रही है। वह इसे सुर्खियों से दूर रखना पसंद करती हैं। पिछले साल (2024) राधिका मां बनीं और उन्होंने अपनी बेटी की झलक सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की।

राधिका की शानदार फिल्में

राधिका ने अपने करियर की शुरुआत 2005 में फिल्म 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी' से की। इस फिल्म में उन्होंने छोटा-सा रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने हिंदी, तमिल, मराठी, तेलुगु, बंगाली और मलयालम फिल्मों में काम किया।

उनकी कुछ मशहूर फिल्में हैं- 'अंधाधुन', 'पैडमैन', 'मांझी', और 'फोबिया'। इसके अलावा, वह वेब सीरीज जैसे 'सेक्रेड गेम्स', 'लस्ट स्टोरीज' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' में भी नजर आईं।

गणपति विसर्जन के बाद मुंबई बीच को साफ करने पहुंचे अक्षय कुमार, यूजर्स बोले - 'आपको सैल्यूट है'

बीते दिन पूरे देश में धूमधाम से गणपति विसर्जन किया गया. जिसके बाद मुंबई के जुहू चौपाटी पर संडे की सुबह सफाई अभियान चलाया गया. इस दौरान एक्टर अक्षय कुमार भी वहां मौजूद रहे. एक्टर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ मिलकर बीच की सफाई की. इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है. जिसे देख यूजर्स भी एक्टर की तारीफ करते दिखे.

अक्षय कुमार ने की बीच की सफाई

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में अक्षय कुमार कुछ वॉलेंटियर्स के साथ मिलकर बीच पर फैले कूड़े को थैलों में डालते हुए नजर आ रहे हैं. अक्षय ने कहा कि, 'ज्ञान हमें सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी इसी बात पर जोर देते हैं, ये सिर्फ बीएमसी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह जनता की भी जिम्मेदारी है..'

यूजर्स ने की जमकर की अक्षय कुमार की तारीफ

अक्षय के इस वीडियो को देखकर अब यूजर्स कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. एक ने लिखा कि, 'आपको सैल्यूट..' दूसरे ने कहा, 'अक्षय कुमार के लिए रिस्पेक्ट है..'

एक यूजर ने कहा कि, 'अच्छी बात है, ऐसा सबको करना चाहिए..' हालांकि इसी बीच कुछ लोग एक्टर को ट्रोल करते भी दिखे. उन्होंने कहा कि, 'लगता है किसी मूवी का ट्रेलर आने वाला है..' एक ने लिखा, 'सब ढोंग है..कैमरे के सामने दिखावा..'

इस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय कुमार

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार को आखिरी बार फिल्म 'हाउसफुल 5' में देखा गया था.

ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी. जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था. अब एक्टर बहुत जल्द फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे. फिल्म में उनके साथ अरशद वारसी की टक्कर देखने को मिली.

'दारू-सिगरेट पीती है'- शिल्पा शेट्टी पर ऐसा था ससुर का रिएक्शन, अब पति ने खोला राज

राज कुंद्रा ने हाल ही में खुलासा किया कि शिल्पा से शादी के लिए उनके पेरेंट्स पहले बिल्कुल भी तैयार नहीं थे. उन्हें लगता था कि वो दारू पीती है, सिगरेट पीती हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा इन दिनों अपनी पंजाबी फिल्म 'मेहर' को लेकर सुर्खियों में हैं. जिसमें उनके काम को काफी पसंद किया जा रहा है. इसी बीच फिल्ममेकर फराह खान अपने कुकिंग व्लॉग के लिए राज और शिल्पा के घर पहुंची. इस दौरान राज ने फराह को अपनी शादी का एक हैरान कर देने वाला किस्सा बताया. जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया.

शिल्पा के लिए कैसा था ससुर का रिएक्शन?

राज कुंद्रा ने बताया कि, जब वो शिल्पा से पहली बार मिले थे. तभी उनपर दिल हार बैठे थे. लेकिन जब उनके पिता को शिल्पा के बारे में पता चला तो वो इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं थे उन्होंने मुझसे कहा था कि, 'अरे यार, क्या एक्ट्रेसेस के साथ लग गया है? दारू पीती है, सिगरेट पीती है..' लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि आप किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले एक बार शिल्पा से मिल लें. फिर जब वो शिल्पा से मिले तो उनकी राय एकदम बदल गई.

शिल्पा शेट्टी की ससुरालवालों से पहली मुलाकात

राज ने आगे बताया कि, 'जब मेरी फैमिली शिल्पा से मिली तो वो एक नजर में ही उनको पसंद आ गई. आज वो लोग मुझसे भी ज्यादा उससे प्यार करते हैं.' बता दें कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की शादी साल 2009 में हुई थी. आज ये कपल दो बच्चों एक बेटे और एक बेटी के पेरेंट्स हैं.

इस फिल्म में नजर आई थीं शिल्पा शेट्टी

वर्कफ्रंट की बात करें तो राज कुंद्रा हालिया रिलीज पंजाबी फिल्म 'मेहर' में नजर आए हैं. फिल्म में उनके साथ गीता बसरा लीड रोल में हैं. वहीं शिल्पा आखिरी बार फिल्म 'कमीने' में दिखाई दी थी. इन दिनों वो एक डांस रिएलिटी शो जज कर रही हैं. जहां कई बार रेट्रो लुक में नजर आ चुकी हैं. इसके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं.

बड़े बाप की बेटी हैं लोकाह चैप्टर 1 में नजर आई लीड हीरोइन कल्याणी प्रियदर्शन

मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. लोग उनके बारे में जानने को उतावले हो रहे हैं. साउथ इंडस्ट्री की टैलेंटेड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन अपनी मासूमियत और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं. दिग्गज फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत से खास पहचान बनाई है. हाल ही में फिल्म लोकाह चैप्टर 1 में नजर आईं कल्याणी ने अपने अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया.

मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत ऋतिक रोशन की फिल्म कृष 3 से असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की. इसके बाद उन्होंने 2017 में फिल्म 'हेलो' से फिल्मी पर्दे पर कदम रखा. इसके बाद 2019 में 'हीरो', 2020 में मलयालम फिल्म 'वरने अवश्यमंद', 'ब्रो डैडी', 'हृदयम' जैसी हिट फिल्मों में काम किया.

एक्ट्रेस ने हालिया रिलीज फिल्म 'लोकाहः चैप्टर 1' में लीड

रोल निभाया है. इस फिल्म में एक्ट्रेस ने चंद्रा का किरदार निभाया है. इस फिल्म ने इंडस्ट्री में एक्ट्रेस को अलग पहचान दिलाई है.

फिल्म लोकाह चैप्टर 1: चंद्रा की इन दिनों खूब चर्चा है. फिल्म की कहानी और एक्टर्स की एक्टिंग की खूब तारीफ की जा रही है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म के साथ-साथ एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन की भी बहुत चर्चा हो रही है.

32 साल की कल्याणी सोशल मीडिया पर इस वक्त कल्याणी छाई हुई हैं. लोग उनके बारे में जानने को उतावले हो रहे हैं. आपको बता दें एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहतीं हैं, इसी के साथ कल्याणी के इंस्टाग्राम पर भी अच्छी फैन फॉलोइंग है. अपनी दमदार एक्टिंग के साथ एक्ट्रेस अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज से भी फैंस को दीवाना बना देती हैं. एक्ट्रेस के लुक्स और पर्सनेलिटी की बात करें तो वो किसी से कम नहीं चाहे वेस्टर्न हो या एथिनिक कल्याणी का हर अंदाज बेहद यूनिक है.

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा भाजपा का सेवा पखवाड़ा

● भाजपा हमेशा से ही जनसेवा को प्रमुखता देती रही : पंकज सिंह

● सभी वर्गों का सम्मान व राष्ट्र विकास भाजपा की पहचान : महेश अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-116 जिला कार्यालय पर भाजपा नोएडा द्वारा आगामी सेवा पखवाड़ा की शुरुआत की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी रहे। उनके साथ नोएडा विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, गौतमबुद्ध नगर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा रहे। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता में पत्रकार बंधुओं से इस सेवा पखवाड़ा पर चर्चा करी साथ ही कई अनेक विषयों पर भी चर्चा करी।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर सेवा पखवाड़े की शुरूआत होगी। ये सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी की जयंती तक चलेगा। इस सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान, रक्त दान शिवर, फल वितरण, प्रधानमंत्री जी के जीवन पर प्रदर्शनी, प्रबुद्ध सम्मेलन, नमो मैराथन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर संगोष्ठी, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, सांसद खेल कूद प्रतियोगिता आदि अन्य कार्यक्रम की रूप रेखा बनाई है।

विधायक पंकज सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा अभियान की शुरुआत होगी। भाजपा एक राजनीतिक दल के रूप में राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करती है, साथ ही भाजपा का दूसरा पहलू हमेशा से जनसेवा का भी है। पार्टी के कार्यकर्ता जनसेवा और रचनात्मक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। मजबूत भारत के लिए मजबूत भाजपा का होना आवश्यक है। भाजपा की मजबूती ही भारत की मजबूती है।

महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो सभी वर्गों को सम्मान और राष्ट्र को विकसित बनाने के संकल्प के साथ काम करती है। हमारे सभी कार्यकर्ता अपने दायित्व का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे और सभी सेवा कार्यों को पूर्ण करेंगे।

इस मौके पर पूर्व मंत्री नबाब सिंह नागर, बिमला बाथम, बिजेंद्र नागर, अभिषेक शर्मा, हरिश्चंद्र भाटी, डॉ बी.एस.चौहान राकेश शर्मा, मनोज गुप्ता, योगेंद्र चौधरी, विनोद त्यागी, चंदगीराम यादव, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, उमेश त्यागी, गिरीश कोटनाला, अमित त्यागी, तन्मय शंकर, विनोद शर्मा, युद्धवीर चौहान, महेश अवाना, पूनम सिंह, ओमवीर अवाना, अमरीश त्यागी, रवि यादव, मनोज चौहान, प्रमोद बहल, मधु मेहरा, अशोक मिश्रा, मनीष शर्मा, हर्ष चतुर्वेदी, गौतम शर्मा, प्रदीप चौहान, नीरज चौधरी,लोकेश यादव ,कल्लू सिंह, मनीष तिवारी, राहुल शर्मा, शशिधर उपाध्याय, राम किशन यादव, धर्मेंद्र गुप्ता, चमन अवाना, शिवांश श्रीवास्तव, भूपेश चौधरी, एस पी चमोली, अतुल त्यागी, शारदा चतुर्वेदी, सुशील अवाना, भगत भाटी, राजीव, धर्मेंद्र, महेश, सुरेश, आलोक, कमल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित लोगों से मिली जिलाधिकारी

पाठशाला में बच्चों से किया संवाद, गौशाला का भी किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने यमुना नदी में बढ़े जलस्तर से प्रभावित परिवारों के लिए जिला प्रशासन द्वारा संचालित व्यवस्थाओं का गहन स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम सदर तहसील के अन्तर्गत सेक्टर-135 में बनाए गए शरणालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वहां उपलब्ध कराए गए खानपान, आवास, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय एवं चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया, जोकि संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शरणालय में ठहरे प्रभावित परिवारों से वार्ता की और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। प्रभावित परिवारों द्वारा व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया गया। इसी अवसर पर जिलाधिकारी ने बच्चों हेतु संचालित पाठशाला में अध्ययनरत बच्चों से भी संवाद किया, उनसे सवाल पूछे तथा पठन-पाठन हेतु आवश्यक सामग्री भी वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाठशाला का संचालन नियमित रूप से हो और बच्चों की शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही जिलाधिकारी ने वहां मौजूद प्रभावित परिवारों की महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए और स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देशित किया कि शरणालय में ठहरे सभी लोगों के स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रहे।

जिलाधिकारी ने सेक्टर-135 में स्थापित अस्थायी गौशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चारा-पानी, स्वच्छता, पशु चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया।

निरीक्षण उपरांत जिलाधिकारी पुस्ता रोड, सेक्टर-150 भी पहुंचीं और वहां उन्होंने पुश्ते के किनारे असुरक्षित रूप से टेंट लगाकर रह रहे हैं लोगों को प्रेरित किया कि जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षित स्थानों पर शरणालय उपलब्ध कराए गए हैं, जहां पर भोजन, पानी, चिकित्सा, आवास एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराई जा रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि ऐसे प्रभावित परिवारों को असुरक्षित स्थानों से शरणालयों में शिफ्ट होने के लिए प्रेरित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार सदर प्रतीक चौहान, जिला अभिहित अधिकारी सर्वेश मिश्रा, जिला पूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया सचिन पायलट का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस के पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट का 48वां जन्मदिन बिशनपुरा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर केक काटकर व लड्डू मिठाई बांटकर बहुत ही धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा कि सचिन पायलट देश के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जिनको कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक लोग अपना आदर्श मानते हैं।

सचिन पायलट अपने पिता के अनुसार किसानों और मजदूरों की आवाज़ को हमेशा बुलंद करने का कार्य करते हैं। आज हिंदुस्तान का युवा भी सचिन पायलट को अपना आदर्श मानता है।

इसी बदौलत पूरे देश में सचिन पायलट जहां भी जाते हैं वहां लाखों की संख्या में श्री सचिन को देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठा हो जाती है।

इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर,एआईसी सदस्य बबली नागर,पीसी सदस्य देविंदर भाटी,डीएन सिंह, अमित सामा, वैभव कुमार, कविता वर्मा, सोनू शर्मा, विजय कुमार अवस्थी, नरेश कुमार, विकास यादव, धर्मेन्द्र यादव, अतुल यादव, जितेंद्र चौहान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर ब्लॉक में जाकर जनसमस्याएं सुनेगी कांग्रेस : मुकेश यादव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय सेक्टर-52 पर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक हुई। मासिक बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने की व संचालन महानगर के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी ललित अवाना ने किया।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी आगामी कार्यक्रमों को लेकर सभी ब्लॉकों में बैठक कर जनता की जन समस्याओं को सुनकर उनका हल करवाने का काम करेगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य नोएडा महानगर के उपाध्यक्ष यतेन्द्र शर्मा ने कहा कि महानगर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी घर-घर जाकर नए लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे व कांग्रेस पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक बताकर नोएडा कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेंगे।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व महानगर उपाध्यक्ष यतेन्द्र शर्मा, नोएडा महानगर के संगठन प्रभारी ललित अवाना, कोषाध्यक्ष संजय तनेजा, महासचिव विक्रम सेठी, उपाध्यक्ष डॉ सीमा, महासचिव संदीप सिसोदिया, महासचिव राम कुमार शर्मा,महासचिव सुमन राय, महासचिव, मधुराज, नॉर्थ ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पांडये, महानगर सचिव मज़हर हुसैन, महानगर सचिव विरो देवी, रवि सिंह, विक्रम सिंह, अमर यादव, रोहित कुमार, सतीश पांचाल, सौरभ कुमार सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

यूं हुआ 'बागवान' का भव्य कार्यक्रम

दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित बी.एस. फाउंडेशन (डिवोशनल, म्यूज़िकल एवं सोशल सोसाइटी) द्वारा एक भव्य कार्यक्रम 'बागवान' का आयोजन किया गया। इस आयोजन की सूत्रधार एवं बी.एस. फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. बबीता शर्मा रहीं, जोकि एक जानी-मानी प्रोफेशनल सिंगर, समाजसेवी और समर्पित संगीतकार हैं। कार्यक्रम का संचालन करूणेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बी.एस. फाउंडेशन ने समाजसेवा की मिसाल प्रस्तुत करते हुए दो महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान कीं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें, वहीं एक दिव्यांग नागरिक को व्हीलचेयर भेंट की गई।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में विमला बाथम (पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग), संजय बाली सांसद प्रतिनिधि, वी. के सूद उपस्थित रहे। साथ ही, टी.एन. गोविल, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, मान सिंह चौहान अध्यक्ष शनि मंदिर समिति, ओम विश्रांति की संस्थापक ज्योति सक्सेना, त्रिलोक शर्मा, अशोक श्रीवास्तव रेखा शर्मा, पुष्कर शर्मा सहित नोएडा-दिल्ली की अनेक विशिष्ट हस्तियां और समाजसेवी भी इस आयोजन के साक्षी बने।